INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-44 | मथुरा, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बड़ा हादसा

यमुना में अनियंत्रित होकर स्टीमर पलटा, मची चीख–पुकार

10 पर्यटकों की मौत से मचा हाहाकार

वृंदावन में यमुना पर बने पौंटून पुल के पास पलटे स्टीमर का सीन। एआई की नजर से।

यमुना में रेस्क्यू करती बचाव टीम।

बचाव के लिए सेना एवं एनडीआरएफ की टीम पहुंची

यमुना में डूबे कई श्रद्धालुओं को गोताखोरों ने बचाया

पंजाब से आए श्रद्धालुओं पर टूटा दुख का पहाड़

मथुरा से लखनऊ तक प्रशासन में हलचल

सरकारी और निजी अस्पतालों को किया अलर्ट

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। आज दोपहर के समय केशीघाट पर असंतुलित होकर यमुना में स्टीमर पलटने से बड़ा हादसा हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मथुरा से लेकर लखनऊ तक शासन और प्रशासन हिल गया। यमुना में डूबने से 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। करीब डेढ़ दर्जन श्रद्धालुओं को बचा लिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही आगरा से डीआईजी शैलश कुमार पांडेय, मथुरा से डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार समेत अन्य पुलिस अधिकारी और रेस्क्यू टीम पहुंच गई। डीआईजी ने बताया कि 10 लोगों की मौत हो चुकी है और 12 लोग बचा लिए गए हैं। अभी पांच लोग लापता हैं।

जानकारी के अनुसार पंजाब के लुधियाना मोंगा और मुक्तसर से करीब 32 श्रद्धालुओं का ग्रुप वृंदावन में मंदिरों के दर्शन करने के लिए आया था। सभी श्रद्धालु यमुना की सैर करने के लिए दो स्टीमरों में सवार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक स्टीमर असंतुलित होकर पौंटून पुल से टकराकर पलट गया। श्रद्धालुओं से भरे स्टीमर के पलटने से चीख पुकार मच गई। घटना को देख आसपास मौजूद कई नाविक और गोताखोर यमुना में कूद गए। तब तक कई श्रद्धालु यमुना के गहरे पानी में डूब गए और काफी दूर चले गए। घटना की जानकारी मिलते ही वृंदावन कोतवाली और मांट थाना से पुलिस पहुंच गई।

वहीं मथुरा से डीएम सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार समेत अन्य अधिकारी भी घटना स्थल पर पहुंच गए। डीएम और एसएसपी से रेस्क्यू का मोर्चा संभाल लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राहत कार्य में सेना को भी बुलाया गया। साथ ही गाजियाबाद से एनडीआरएफ की टीम वृंदावन पहुंच गई। यमुना में डूबे श्रद्धालुओं का रेस्क्यू किया गया। करीब 10 श्रद्धालुओं को मृत अवस्था में निकाला गया। डीएम ने भी 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने लोगों से किसी भी अफवाह से बचने की अपील की है। सरकारी और निजी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया। देर शाम तक प्रशासन लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटा रहा। बताया गया कि 15 लोग सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। गोताखोर लगातार डूबे लोगों को यमुना में खोज रहे हैं।

हादसा स्थल पर डीएम सीपी सिंह एवं डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय।

सेना के अधिकारी समेत अन्य अधिकारी।

मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लिया

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने डीएम सीपी सिंह को राहत बचाव के निर्देश दिए हैं। इस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री दुखी नजर आए।

मुख्य डाकघर में पुरानी व्यवस्था में हुआ बदलाव

अब फेस से लगेगी हाजिरी, देरी करने वालों पर कसेगा शिकंजा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के मुख्य डाकघर में अब पुरानी व्यवस्था बदलने जा रही है। कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए नई तकनीक लागू की जा रही है। इसके तहत अब फेस पहचान के जरिए हाजिरी लगेगी। इससे देर से आने वाले कर्मियों पर सख्ती बढ़ेगी और कामकाज में सुधार देखने को मिलेगा। डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने बताया कि मुख्य डाकघर के लिए तीन बायोमेट्रिक मशीनें आ चुकी हैं। इनको बहुत जल्द शुरू कर दिया जाएगा। मशीन लगने के बाद सभी कर्मचारियों को समय पर आना

और जाना होगा। इससे कार्यालय में अनुशासन बढ़ेगा और काम समय पर पूरा होगा। नई व्यवस्था की खास बात यह है कि कर्मचारी सिर्फ ऑफिस के आसपास ही अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिस डाक

तीन बायोमेट्रिक मशीन तैयार, 200 मीटर के अंदर ही होगी उपस्थिति दर्ज

घर में बायोमेट्रिक नहीं लगी है उनके कर्मचारियों के लिए 200 मीटर की सीमा तय की है। यानी कोई भी व्यक्ति दूर से हाजिरी नहीं लगा पाएगा। इससे फर्जी उपस्थिति पूरी तरह बंद हो जाएगी।

यह सुविधा केवल शहर तक ही सीमित नहीं रहेगी। गांव के डाकघरों में भी धीरे-धीरे यही सिस्टम लागू किया गया है। जहां अभी तक यह सुविधा नहीं है, वहां भी जल्द ही फेस हाजिरी शुरू होगी। इससे पूरे जिले में एक जैसी व्यवस्था बन जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बदलाव का मकसद काम को आसान और साफ-सुथरा बनाना है। जब सभी लोग समय से आएंगे तो जनता का काम भी जल्दी होगा। इससे लोगों को बेहतर सेवा मिल सकेगी। इस नई व्यवस्था को लेकर कर्मचारियों में चर्चा हो रही है। कुछ लोग इसे अच्छा कदम मान रहे हैं, जबकि कुछ को शुरुआत में दिक्कत लग सकती है। लेकिन विभाग का कहना है कि समय के साथ बदलाव जरूरी है। डाकघर में यह नई तकनीक काम करने के तरीके को बदल देगी।

तापमान / मौसम

27 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

16 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,53,970

22 कैरेट 1,41,000

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,36,158 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

फरह में रामकथा का भव्य शुभारंभ

स्वामी कैलाशानंद गिरि ने सुनाई श्रीराम कथा

गो ग्राम परखम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा की व्यासपीठ पर विराजमान महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि की पूजा-अर्चना करते जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल के साथ सुरेश कौशिक, प्रमोद गर्ग कसेरे एवं अन्य।

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। गो ग्राम परखम में श्रोताओं को श्री राम कथा सुनाने के लिए महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि हेलीकॉप्टर से आए। दीनदयाल कामधेनु गोशाला परिसर में दोपहर तीन बजे के बाद पहला हेलीकॉप्टर उतरा। इसमें से कैलाशानंद गिरी और उद्योगपति अनिल गुप्ता सवार थे। कुछ देर बाद एक और हेलीकॉप्टर उतरा, जिसमें उद्योगपति परिवार की महिलाएं थीं। राम कथा

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल भी शामिल हुए

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सभी का स्वागत-सम्मान किया।

श्री राम कथा के शुभारंभ पर गायकों ने भजन सुनाए। भजनों की तान पर श्रद्धालु पुलकित हो गए। अन्यया ठाकुर ने संगीत के साथ कई भजन प्रस्तुत किए। विजय, अवधेश, सीमा मोरवाल, बालकिशन और विष्णु ने भी भजन सुनाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

रामकथा शुभारंभ के पहले दिन सुदामा कुटी के सुतीक्षणदास देवाचार्य, समिति के संरक्षक सतीश अवाना, अध्यक्ष एवं जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश कौशिक, किशन चौधरी, अनूप चौधरी, नरेंद्र पाठक, कारिंदा सिंह, अनिल सिंह, डॉ. रोशन लाल, क्षेत्र प्रचारक महेंद्र, आरके पांडे, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, अंगूरी देवी गुप्ता, संजय गुप्ता, प्रदीप मौर्या, रनदीप, कर्मवीर नागर, अभिषेक गौड़, अभिषेक कौशिक, राहुल पांडे, आशीष चौधरी, शिवकुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, गोशाला मंत्री हरिशंकर शर्मा, राम अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, राधा चरण कौशिक, आरपी सिंह, विनीता अग्रवाल, तरुण कुमार तथा देवेंद्र चौधरी आदि श्रद्धालु मौजूद थे।

होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. हैनीमैन की जयंती मनाई

डॉ. हैनीमैन की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते होम्योपैथिक चिकित्सक ।

यूनिक समय, मथुरा। आज इंडियन होम्योपैथिक ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में एक स्थानीय होटल में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन की जयंती श्रद्धा और उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुमित गौतम ने की, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन महासचिव डॉ. भुवन बंसल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित चिकित्सकों द्वारा डॉ. हैनीमैन के चित्रपट पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर हुआ। इस अवसर पर विभिन्न चिकित्सकों ने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता, प्रभावशीलता तथा समाज में इसकी बढ़ती स्वीकार्यता पर अपने विचार व्यक्त किए।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुमित गौतम ने होम्योपैथी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस चिकित्सा पद्धति के माध्यम से ऐसी अनेक बीमारियों का सफलतापूर्वक बिना सर्जरी उपचार संभव है, जिनमें सामान्यतः शल्य चिकित्सा ही एकमात्र विकल्प माना जाता है। उनके विचारों ने उपस्थित चिकित्सकों को प्रेरित किया तथा होम्योपैथी के प्रति विश्वास को और सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. देवेश शर्मा ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात राष्ट्रीय संयोजक डॉ. प्रमेन्द्र शर्मा द्वारा कार्यक्रम की औपचारिक समाप्ति की घोषणा की गई।

इस अवसर पर डॉ. मयंक सारस्वत, डॉ. एपीएस चौहान, डॉ. स्वेश गौतम, डॉ. माधवी देशपांडे, डॉ. वरुण कुमार, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. एमपी गौतम, डॉ. विपिन अग्रवाल, डॉ. अजीत तोमर, डॉ. मोहम्मद नईम, डॉ. अवनीश पांडे, डॉ. एमपी सिंह, डॉ. अरुण कुमार एवं होम्योपैथिक फार्मा कंपनियों में बेक्सन कंपनी के मैनेजर अंकुर सिंह तथा मनीष सहित मथुरा जिले के सभी होम्योपैथिक चिकित्सक उपस्थित रहे।

सिर पर मंगल कलश, मुख से गूंजा जय श्री राम

श्री राम कथा के शुभारंभ पर गो ग्राम परखम में निकली कलश यात्रा

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। शुक्रवार को गो ग्राम परखम में श्री राम कथा प्रारंभ होने से पहले कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ ग्राम परखम स्थित सरस्वती शिशु मंदिर से हुआ। सैकड़ो की संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर डीजे के साथ गांव में भ्रमण को निकली तो वातावरण जय श्री राम से गूंज उठा।

करीब चार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद यात्रा में शामिल महिलाएं, बालिकाएं, पुरुष और अन्य श्रद्धालु झूमते-नाचते और गाते हुए गो ग्राम परखम स्थित दीनदयाल कामधेनु गोशाला पर पहुंचे, जहां मंगल गीतों के साथ कलश स्थापित किए गए। महिलाओं ने श्री राम कथा शुभारंभ पर नृत्य भी किया। बच्चों के मुख से एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम

गो ग्राम में निकाली कलश यात्रा में एकत्रित महिला पुरुष समेत पदाधिकारी।

निकला। कलश यात्रा में बबीता पाठक, गौरी आर्या, निर्मला दीक्षित, विमलेश गौड़, बीना शुक्ला, उन्नति गौड़, मंजू ठाकुर, प्रेमवती, राखी, बबीता आदि महिला श्रद्धालु शामिल रही। यात्रा की व्यवस्था में जगमोहन पाठक, पारस ठाकुर, नरेश कटारा, राहुल पाठक, महिपाल सिंह, छगन प्रधान, रामनरेश कटारा, अशोक पाठक, मनीष ओझा नरेंद्र, भद्रपाल आदि का योगदान रहा।

भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव 15 से 19 अप्रैल तक मनाया जायेगा

निमंत्रण पत्र का विमोचन करते अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की एक अति आवश्यक बैठक कैंप कार्यालय जगन्नाथपुरी पर घनश्याम हरियाणा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ हुई, जिसमें संस्थान अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा, सचिव नारायण प्रसाद शर्मा, केके गौतम, केसी गौड़ सहित अनेक विप्रजन उपस्थित रहे।

बैठक में 15 से 19 अप्रैल तक आयोजित होने वाले पांच दिवसीय भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उत्सव के निमंत्रण पत्र का विधिवत विमोचन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का विवरण शामिल है।

मुख्य कार्यक्रम 19 अप्रैल रविवार को बाटी वाली कुंज, लाल दरवाजा पर प्रातः 8 बजे से आयोजित होगा, जिसमें समाजसेवी एवं प्रबुद्धजनों का सम्मान किया जाएगा। सभी कार्यक्रम प्रातः 8 से 11 बजे तक संपन्न होंगे। बैठक में सभी विप्रजनों से उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान परशुराम को पुष्पांजलि अर्पित करने और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

खेतों में खड़ी फसल में आग लगने से मचा हड़कंप

रायपुर में सैंकड़ों बीघा गेहूं की फसल जलकर हुई राख

फायर ब्रिगेड के न पहुंचने से हुआ अधिक नुकसान

खेतों में लगी आग को बुझाते ग्रामीण।

यूनिक समय, सुरीर/नौहझील। नौहझील थाने के गांव रायपुर खादर में शुक्रवार को 11 हजार केवीए विद्युत लाइन का तार टूट कर खेत में गिरने से फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने सैंकड़ों बीघा खेतों पड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग से हुई तबाही से किसानों के परिवारों का बुरा हाल है।

11 हजार की विद्युत लाइन का तार टूटकर खेत में गिरने से हुई घटना

तहसीलदार की टीम और बिजली विभाग के अधिकारी पहुंचे

किसानों ने आग से हुए नुकसान का प्रशासन से मांगा मुआवाज

गांव रायपुर में खेतों के ऊपर से होकर विद्युत की 11 हजार केवीए की लाइन के तार गुजर रहे हैं। तारों के नीचे खेतों में खड़ी और काफी खेतों में कटी फसल पड़ी हुई है। खराब मौसम के चलते किसान फसल को खेतों से उठा नहीं पा रहा है। बताया गया कि खेत के ऊपर होकर गुजरने वाली 11 हजार केवीए की जर्जर विद्युत लाइन का तार तेज हवा के चलते एक दूसरे से टकरा गए और तारों से निकली चिंगारी से तार टूट कर फसल पर गिर गया जिसके चलते फसल में आग लग गई। देखते ही देखते तेज हवा के चलते आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज हवा के चलते आग ने तेजी के साथ आस-पास के खतों में कटी पड़ी फसल को भी अपनी चपेट में ले लिया। फसल में लगी आग को देख किसानों के होश उड़ गए। बड़ी संख्या में किसान आग को बुझाने के लिए दौड़ पड़े, लेकिन आग पर काबू नहीं पा सके। आग से किसानों की सैंकड़ों बीघा फसल जलकर राख हो गई है।

यूनिक समय, मथुरा। फसल में लगी आग की सूचना फायर ब्रिगेड को दिए जाने के बाद भी गाड़ियां मौके पर नहीं पहुंचीं। इससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं खेतों से गुजरने वाली जर्जर बिजली के तारों की शिकायत करने पर भी विभाग ने कार्रवाई नहीं की। जिससे किसानों की लाखों रुपये की फसल जलकर नष्ट हो गई। इसे लेकर किसानों में भारी आक्रोश है।

रायपुर के किसान ओमवीर, संजीव, रविंद्र, करुआ, बंटू, महेंद्र, राजू, देवपाल, दामो, विरेंद्र मास्टर,ओमप्रकाश, लाला, हरकेश, बंटी, मोहन, सुरेंद्र, जुगेंद्र आदि किसानों का कहना है कि सूचना दिए जाने के बाद भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां नहीं पहुंचीं। किसानों ने ही अपने साधनों ट्रैक्टरों से पानी डालकर कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू किया। किसानों

बिजली विभाग की लापरवाही भी हो रही है उजागर

किसानों में इसे लेकर भारी आक्रोश

का कहना है कि आग से जली फसल से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों का कहना है कि विद्युत विभाग को खेतों के ऊपर गुजर रहे विद्युत के जर्जर तारों को ठीक कराए जाने के लिए कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई है, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है। अधिकारियों की लापरवाही के चलते किसानों के परिवारों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

रायपुर गांव में किसानों की फसल में बिजली के तार टूटने से लगी आग का पता लगने पर नुकसान का जायजा लेने के लिए मांट तहसीलदार की टीम मौके पर पहुंच गई।

तहसीलदार बृजेश सिंह ने राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही बिजली विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने पीड़ित किसानों को ढांढस बंधाया और नुकसान के उचित आकलन का आश्वासन दिया। लगभग 20 किसानों की फसल जल गई है। इन किसानों को अब पशुओं के चारे के लिए इधर-उधर भागना पड़ेगा। वहीं किसानों ने अग्निकांड से पीड़ितों को प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

कोठरी का ताला तोड़कर हजारों के विद्युत उपकरण चोरी

यूनिक समय, सुरीर। खेत पर बनी एक कोठरी की छत से उतरकर चोर अंदर प्रवेश कर गये और ताला तोड़कर वहां रखा इनवेटर, बैटरी पंखा सहित हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। किसान खेत में खड़ी गेहूं की फसल को कटवाने के लिए कम्बाइन मशीन की तलाश में गया था।

किसान कम्बाइन की तलाश में गया था, चोरों ने किया हाथ साफ

जानकारी के अनुसार थाना सुरीर कलां निवासी ठाकुर नरेंद्र सिंह का खेत सुरीर बम्बा पर रघुनाथ वकील के मंदिर और बरी नगला के मध्य है। खेत की देख-रेख के लिए सुरीर कलां निवासी होती खेत पर बनी कोठरी में रहता है। बताया गया कि गेहूं की फसल की कटाई कराने के लिए होती गुरुवार रात को कम्बाइन मशीन की तलाश में गया हुआ था। शुक्रवार की सुबह जब वह कोठरी पर पहुंचा तो कोठरी का ताला टूटा हुआ था। किवाड़ खुले देख उसके होश उड़ गए। अंदर देखा तो कोठरी में रखी झटका मशीन, बैटरी, इन्वर्टर, बैटरा, छत का पंखा, लकड़ी काटने की मशीन सहित अन्य सामान व नकदी चोरी हो चुकी थी। चोरी की वारदात का पता लगने पर सुरीर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया और आस-पास के लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

कांग्रेसियों ने असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन कर फूंका पुतला

जिला कलेक्ट्रेट पर असम के मुख्यमंत्री का पुतला फूंकते कांग्रेस कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। असम के मुख्यमंत्री द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर की गई कथित अशोभनीय टिप्पणी तथा कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ की गई कार्रवाई के विरोध में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांग्रेसियों ने जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन कर पुतला फूंका। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि दलित द्वेष के चलते कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के विरुद्ध की गई टिप्पणी निंदनीय है। जिला कांग्रेस महामंत्री मनोज गौड़ ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री पर लगे आरोपों के बीच इस प्रकार की कार्रवाई अनुचित है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि, आदित्य तिवारी, आरती चौधरी, ललिता देवी, गीता दिवाकर, पुनीत बघेल, गौरांग अग्रवाल, रवि वाल्मीकि, अश्वनी शुक्ला, प्रवीण ठाकुर, विपुल पाठक, हरीश सारस्वत, धीरज सहित आदि मौजूद रहे।

पॉलिटेक्निक के छात्र की दुर्घटना में मौत

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग के अकबरपुर फ्लाईओवर पर बाइक सवार पॉलिटेक्निक के छात्र की बाइक दूसरी बाइक से टकरा गई। दुर्घटना में छात्र की मौत हो गई।

बताया गया कि कस्बा छाता के बीचका थोक निवासी मोनू (20) पुत्र पुरशोत्तम केडीसी पॉलिटेक्निक कालेज ओल में पढ़ रहा था। वह अपनी स्कॉलरशिप के संबंध में कालेज गया था। कालेज से वह बाइक से छाता के लिए लौट रहा था। उसकी बाइक हाईवे पर जैसे ही अकबरपुर फ्लाईओवर पर पहुंची तभी दूसरी दिशा से तेज गति से आती बाइक ने मोनू की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में मोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया गया कि दूसरी बाइक पर सवार युवक भी घायल हुआ है। पुलिस ने मोनू के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना का पता लगने पर परिवार ही नहीं छात्र के दोस्तों में कोहराम मचा हुआ है। बड़ी संख्या में लोग मोरचरी पर मौजूद थे।

आस्था की यात्रा दर्दनाक कहानी में बदली

यूनिक समय, वृंदावन। आस्था लेकर पंजाब से आए श्रद्धालुओं के ग्रुप को क्या मालूम था कि उनके साथ यमुना में ऐसा होगा। आस्था की यह यात्रा एक दर्दनाक कहानी में तब्दील हो गई। श्रद्धालुओं के घर तक इस हादसे की सूचना पहुंची तो सभी अवाक रह गए। उन्होंने सोचा नहीं था कि ऐसी बुरी खबर मिलेगी।

वृंदावन में केशीघाट के निकट पौंटून पुल के पास हुए हादसे के बाद पहुंची लोगों की भीड़।

यमुना में डूबे श्रद्धालुओं को बचाने के लिए उतरी रेस्कयू टीम।

हादसे की जानकारी लेते डीएम सीपी सिंह।

लाइफ जैकेट पहनी होती तो जान बच सकती थी

यूनिक समय, वृंदावन। हादसे की वजह तो जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन इतना सवाल जरूर उठ रहा है कि क्या स्टीमर में सवार तीर्थयात्रियों को लाइफ जैकेट नहीं पहनाई गई थी। लाइफ जैकेट होती तो लोग पानी में न डूबते ।

हादसा स्थल से अधिकारियों को फोन से जानकारी देता एक पुलिसकर्मी।

हादसे से पहले निधिवनराज मंदिर में दर्शन किए थे

यूनिक समय, वृंदावन। पंजाब के तीन जिलों से आए 32 श्रद्धालुओं के ग्रुप ने आज सुबह निधिवनराज मंदिर में दर्शन किए थे। उसके बाद वह केशीघाट से स्टीमर (मोटर बोट) पर सवार हुए। मांट थाना क्षेत्र में बने पौंटून पुल से स्टीमर टकरा कर पलट गा।

जल का स्तर अधिक होने पर गोताखोर को हुई दिक्कत

यूनिक समय, वृंदावन। पौंटून पुल के पास यमुना में जल का स्तर अधिक होने के कारण गोताखोरों को दिक्कत आई। यमुना में डूबे श्रद्धालुओं को बाहर निकालने में गोताखोर लगे रहे।

मथुरा में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित, 16,83,033 पहुंचे मतदाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जनपद की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी। इस अवसर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सूची की हार्ड और सॉफ्ट कॉपी (डीवीडी) उपलब्ध कराई गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि पांच विधानसभा क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन नियम 1960 के तहत प्रारूप–16 में किया गया है। यह सूची एक सप्ताह तक सभी ईआरओ कार्यालयों, मतदेय स्थलों और पर उपलब्ध रहेगी।

उन्होंने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 10 अप्रैल 2026 को पूरा हुआ। इस दौरान आलेख्य सूची

166 दिन चले विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का समापन 1, 09, 458 नए मतदाता जुड़े

में 15,73,575 मतदाता थे, जबकि अंतिम सूची में बढ़कर 16,83,033 मतदाता हो गए। कुल 1,09,458 मतदाता बढ़े, जिनमें पुरुष, महिला और तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं।

बैठक में पांच ईआरओ, 176 एईआरओ, 219 बीएलओ सुपरवाइजर और 2266 बीएलओ की टीम ने कार्य किया। राजनीतिक दलों से आम आदमी पार्टी के भगत सिंह, बसपा के मुनेन्द्र सिंह निगम, भाजपा के अमन ठाकुर, माकपा के टीकेन्द्र सिंह, कांग्रेस के बलवीर सिंह धनगर और सपा के वीरेन्द्र यादव मौजूद रहे।

डीजी ने तीन पुलिसकर्मियों को किया पुरस्कृत

यूनिक समय, मथुरा। स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय गिरे युवक की जान बचाने वाले तीन पुलिसकर्मियों को डीजी रेलवे प्रकाश डी ने 1-1 हजार रुपये का नकद पुरस्कार और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया है।

गौरतलब है कि पांच अप्रैल की रात ट्रेन संख्या 12616 जीटी एक्सप्रेस से उतरते समय एक युवक गिर गया था। यात्री को गिरता देख प्लेटफार्म नंबर एक पर ड्यूटी कर रहे जीआरपी के हैड कांस्टेबल विक्रम सिंह, गौरव यादव व नरेश कुमार ने जान की परवाह किए बगैर युवक को ट्रेन के नीचे आने से पूर्व ही खींचकर बचा लिया। सिपाहियों द्वारा किया गया यह साहसिक कार्य प्लेटफार्म पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर कोई सिपाहियों के इस साहसिक कार्य की सराहना कर रहा था।

1-1 हजार रुपये नकद व प्रशस्ति पत्र किया प्रदान

सिपाहियों ने यात्रियों की बहादुरी से बचाई थी जान

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने बताया कि युवक अपने परिजनों को ट्रेन में सवार कराने आया था। परिजनों का सामान कोच में रखवाते समय ट्रेन चल दी। युवक चलती ट्रेन से उतरने के दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रेन के नीच चला जाता इन सिपाहियों ने उसे अपनी जान की परवाह किए बगैर खींच कर बचा लिया। इस साहसिक कार्य के लिए तीनों लोगों को गुरुवार को लखनऊमुख्यालय बुलाया गया, जहां डीजी रेलवे प्रकाश डी. ने तीनों को एक–एक हजार रुपये का नगद पुरस्कार और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया है।

मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण और मांट विधायक राजेश चौधरी भी पहुंचे घटना स्थल पर

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण, विधायक राजेश चौधरी, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप भी घटना स्थल पर पहुंच गए। आगरा से अपर पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ, नगर निगम के अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, एसपी सिटी, एसपी ग्रामीण, एसपी ट्रेफिक भी मौक पर पहुंचे।

ग्रुप में 150 श्रद्धालु आए थे पंजाब से

यूनिक समय, वृंदावन। दोपहर के वक्त हुए हादसे की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि लगभग 150 लोगों का एक दल लुधियाना, मोंगा और मुक्तसर से वृंदावन आया हुआ था। नाव में सवार श्रद्धालु उसी समूह का हिस्सा थे। बताया जा रहा है कि नाव एक निजी नाविक द्वारा संचालित की जा रही थी।

एम्बुलेंसों से अस्पताल भेजा घायलों को

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना में डूबे लोगों को उपचार के लिए एंबुलेंसों से अस्पताल भेजा गया।

हादसे की जांच के आदेश

यूनिक समय, वृंदावन। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि नाव में क्षमता से अधिक लोग तो सवार नहीं थे और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की 109वीं बोर्ड बैठक संपन्न

बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

भूखंडों की रजिस्ट्री प्रक्रिया की जानकारी देते मंडलायुक्त एवं अध्यक्ष मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण नगेन्द्र प्रताप सिंह व अन्य।

यनिक समय, आगरा/मथुरा। आयुक्त आगरा मंडल एवं अध्यक्ष, मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में प्राधिकरण की 109वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में हनुमत विहार आवासीय योजना–2024 एवं गोविन्द विहार आवासीय योजना–2025 के तहत भूखंडों की रजिस्ट्री प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया गया।

बैठक में बताया गया कि हनुमत विहार योजना में 220 भूखंडों का आवंटन हुआ था, जिनमें 160 आवंटियों ने पूर्ण धनराशि जमा कर दी है। वहीं गोविन्द विहार योजना में 121 भूखंडों में से 77 आवंटियों ने भुगतान पूर्ण किया है। आवंटियों को समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में उत्तर प्रदेश टाउनशिप नीति–2023 के तहत ग्राम गांठौली व जतीपुरा में न्यू टाउनशिप डीपीआर को शर्तों सहित स्वीकृति दी गई। विकास बाजार के 14 दुकानों को लीज होल्ड करने, श्री राधा वृंदावन चंद्र मंदिर व थीम पार्क परियोजना को विभाजित करने तथा हनुमत विहार योजना के मानचित्र संशोधन को भी मंजूरी मिली। इसके अलावा 18 अप्रैल से 17 जुलाई 2026 तक एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) संचालन को स्वीकृति दी गई। बैठक में उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन. सचिव आशीष सिंह, मुख्य नगर नियोजक तथा गैर सरकारी सदस्य भुवन भूषण, नवीन मित्तल एवं डीएन गौतम उपस्थित रहे।

आक्सीजन के सिलेंडर मंगाओ तो हम भी उतरे

यूनिक समय, मथुरा। आक्सीजन मंगाओ तो हम भी उतरे यमुना में। भीड़ के बीच कुछ लोगों ने बताया कि सेना और बचाव टीम के सदस्य काफी देर तक असमजंस की स्थिति में रही। मौजूद लोगों की मानें तो बचाव टीम के सदस्यों का मानना था कि यमुना में जल स्तर अधिक होने पर सांस लेने में दिक्कत आ सकती है। इसलिए आक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता होगी। हालांकि किसी भी अधिकारी ने आक्सीजन की बात तो लेकर कोई चर्चा नहीं की।

शायद स्टीमर भी पानी के तेज बहाव में बह गया...

यूनिक समय, मथुरा। केशीघाट के पास हटाए गए पौंटून के पुल के पीपों से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलटे स्टीमर का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। आशंका यह जाहिर की जा रही है कि संभवत वह पानी के तेज बहाव में कहीं इधर उधर बह गया और ना अभी स्टीमर चलाने वाले का पता चल रहा है।

नौहझील और सुरीर पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

यूनिक समय सुरीर। मिशन शक्ति फेज पांच के द्वितीय चरण में पुलिस की नौहझील और सुरीर थाने की महिला मिशन शक्ति टीम ने अलग–अलग स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को समाज में होने वाले अपराधों के बारे में जागरुक किया। एसएसपी के निर्देश पर थाना नौहझील और सुरीर थाने की पुलिस ने महिलाओं सशक्तिकरण एवं जागरूकता अभियान के तहत अलग–अलग स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया। महिला पुलिस की टीम ने नौहझील कस्बे में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को घरेलू हिंसा, साइबर फ्रॉड और महिला के साथ होने वाले छेड़खानी सहित अन्य तरह के अपराधों के प्रति जागरूक किया। वहीं सुरीर पुलिस ने नौहझील– राया रोड, हेतन हॉस्पिटल पर महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम किए। कार्यक्रम में एलएसआई दीप्ति सिंह, एलएसआई शिवम चाहर, दिव्या कुमारी सहित पुलिस टीम और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जीएलए के विद्यार्थियों ने कोच्चि में ग्राफेन इंडिया कॉन्फ्रेंस में बिखेरा शोध का जलवा

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के नैनोकेम रिसर्च लैब (रसायन विज्ञान विभाग) के छात्रों और शोधार्थियों ने केरल के कोच्चि में आयोजित ग्राफेन इंडिया कॉन्फ्रेंस–2026 में सक्रिय भागीदारी कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

केरल के कोच्चि में आयोजित ग्राफेन इंडिया कॉन्फ्रेंस–2026 ने देश–विदेश के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान किया, जहां ग्राफीन और अन्य द्वि–आयामी पदार्थों पर आधारित नवीन शोधों पर गहन चर्चा हुई। ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन न केवल नवीन वैज्ञानिक खोजों के आदान–प्रदान का माध्यम होते हैं, बल्कि युवा शोधकर्ताओं को विशेषज्ञों से सीखने, अपने कार्य को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने और भविष्य के सहयोग के अवसर प्राप्त करने का भी महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। इसके माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को दिशा मिलती है और शोध को वास्तविक जीवन की समस्याओं से जोड़ने का अवसर मिलता है।

कोच्चि में आयोजित ग्राफेन इंडिया कॉन्फ्रेंस–2026 में जीएलए विवि मथुरा के रसायन विज्ञान विभाग के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इसी क्रम में जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के नैनोकेम रिसर्च लैब (रसायन विज्ञान विभाग) के छात्रों और शोधार्थियों का कार्य समाज के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। उनका शोध 2डी मैटेरियल्स (जैसे ग्राफीन आधारित पदार्थों) पर केंद्रित है, जो भविष्य की स्वच्छ और सतत ऊर्जा प्रणालियों के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं। विशेष रूप से इलेक्ट्रोकेमिकल प्रक्रियाओं पर आधारित उनका कार्य फ्यूल सेल, वाटर स्प्लिटिंग और हाइड्रोजन ऊर्जा उत्पादन जैसी तकनीकों को अधिक कुशल, किफायती और पर्यावरण–अनुकूल बनाने में सहायक है। इस प्रकार के शोध से जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, प्रदूषण घटाने और स्वच्छ ऊर्जा के प्रसार को बढ़ावा देने में मदद मिलती है, जो सीधे तौर पर समाज और पर्यावरण के हित में है।

जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के नैनोकेम रिसर्च लैब (रसायन विज्ञान विभाग) के छात्रों, शोधार्थियों और उनके सुपरवाइजर डॉ. अनुज कुमार ने इस सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। सम्मेलन के दौरान रसायन विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर व नैनोकेम रिसर्च लैब के सुपरवाइजर डॉ. अनुज कुमार ने आमंत्रित वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। वहीं पीएचडी शोधार्थी मोनिका सिंह और हरी मोहन शर्मा ने अपने शोध कार्य पर मौखिक प्रस्तुति दी। इसके अलावा पीएचडी शोधार्थी पार्थ बिश्नोई तथा एमएससी रसायन विज्ञान के छात्र अक्षय परमार, सृष्टि पचौरी, खुशबू भार्गव, पायल पोनिया, मीनाक्षी दीक्षित और बीएससी रसायन विज्ञान के छात्र अतुल कुमार वर्मा ने अपने शोध कार्यों पर पोस्टर प्रस्तुति देकर सम्मेलन में भाग लिया और सराहना प्राप्त की।

इस उपलब्धि पर जीएलए के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता तथा रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार दास ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी से छात्रों को अपने शोध कार्य को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है और उनके ज्ञान व अनुभव में वृद्धि होती है। साथ ही उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में भी विभाग छात्रों को ऐसे उत्कृष्ट अवसर और बेहतरीन मंच उपलब्ध कराने के लिए निरंतर सहयोग करता रहेगा।

बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर विकास की बड़ी तैयारी

मथुरा–अलीगढ़ के 137 किमी रूट का होगा कायाकल्प

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग को अब सिर्फ धार्मिक आस्था के रास्ते के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास, पर्यटन विस्तार और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के बड़े प्रोजेक्ट के रूप में देखा जा रहा है। इसी दिशा में आयुक्त कार्यालय के लघु सभागार में मण्डलायुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की गई।

बैठक में आगामी अधिक मास में होने वाली बृज चौरासी कोस परिक्रमा की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष यह परिक्रमा 17 मई से 15 जून 2026 के बीच आयोजित होने की संभावना है। यह परिक्रमा उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के कई हिस्सों से होकर गुजरती है, जबकि मथुरा और अलीगढ़ से गुजरने वाला महत्वपूर्ण मार्ग लोक निर्माण विभाग के अधीन आता है।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के अंतर्गत जनपद मथुरा में 112 किमी और जनपद अलीगढ़ में 25 किमी यानी कुल 137 किमी लंबा मार्ग लोक निर्माण विभाग के अधीन आता है। मण्डलायुक्त ने इस पूरे मार्ग को यात्री सुरक्षा, सुविधा और स्थायी विकास के नजरिए से प्राथमिकता पर लेने के निर्देश दिए।

बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग को मॉडल रूट बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों संग बैठक करते मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप।

उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग का संयुक्त सर्वे कराया जाए ताकि जहां–जहां सड़कें जर्जर हैं, वहां तत्काल सुधार की कार्ययोजना बनाई जा सके।

मण्डलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने–अपने क्षेत्र में परिक्रमा मार्ग को पूरी तरह गड्ढामुक्त बनाया जाए। इसके तहत सड़क की पैच मरम्मत और अनुरक्षण, मार्ग के किनारों की पटरियों की जंगल सफाई, कंधों/पटरियों का सुधार, क्षतिग्रस्त हिस्सों का त्वरित पुनर्निर्माण, यात्रियों के आवागमन को सुरक्षित बनाने के लिए मार्ग का समतलीकरण के कार्य प्राथमिकता पर पूरे किए जाएंगे। यह सिर्फ एक अस्थायी तैयारी नहीं, बल्कि प्रशासन इसे दीर्घकालिक इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार के रूप में आगे बढ़ाना चाहता है।

बैठक की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि मण्डलायुक्त ने केवल परिक्रमा अवधि तक सीमित मरम्मत के बजाय बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग को स्थायी रूप से पूर्ण विकसित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मार्ग के चौड़ीकरण की संभावनाएं तलाशें। जहां आवश्यकता हो वहां भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव तैयार किया जाए। निर्माण कार्य की लागत का आकलन (आंगणक/एस्टीमेट) बनाया जाए। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए इसे दीर्घकालिक धार्मिक–पर्यटन कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाए। इस फैसले को बृज क्षेत्र के लिए बड़ी विकासात्मक पहल माना जा रहा है। परिक्रमा मार्ग में आने वाले पड़ाव स्थलों को भी विकास योजना में शामिल करने के निर्देश दिए गए।

मण्डलायुक्त ने कहा कि सिर्फ सड़कें बनाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं भी मिलनी चाहिए। इसलिए पेयजल व्यवस्था, शौचालय, विश्राम स्थल, प्रकाश व्यवस्था, साफ–सफाई और कचरा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा/स्वास्थ्य सहायता, सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाएं को भी प्रस्तावित विकास कार्यों में शामिल किया जाएगा। इससे परिक्रमा मार्ग पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी और धार्मिक पर्यटन को भी मजबूती मिलेगी। धार्मिक आस्था से आगे पर्यटन और अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलेगा।

अंशकालिक अनुदेशकों को बड़ी राहत

नौ हजार से बढ़कर 17 हजार हुआ मानदेय

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों के लिए राहत भरी खबर है। उनका मानदेय नौ हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। नई दर एक अप्रैल से लागू होगी, जिससे मथुरा सहित पूरे प्रदेश के हजारों अनुदेशक लाभान्वित होंगे।

अब तक सीमित मानदेय पर कार्य कर रहे अनुदेशकों को इस बढ़ोतरी से बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। यह भुगतान वर्ष में 11 माह तक किया जाएगा।

प्रदेश के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अंशकालिक अनुदेशक भाषा, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों के शिक्षण में सहयोग करते हैं। विद्यालयों में पढ़ाई की निरंतरता बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। मथुरा के अनुदेशकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से मानदेय वृद्धि की मांग की जा रही थी। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच पूर्व मानदेय पर गुजारा कठिन हो गया था, ऐसे में यह बढ़ोतरी राहत देने वाली है।

मथुरा समेत हजारों अनुदेशक होंगे लाभान्वित, 1 अप्रैल से लागू नई दर

अनुदेशकों का मानना है कि मानदेय बढ़ने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और कार्य के प्रति उत्साह भी बढ़ेगा। जिला स्तर पर अब संशोधित भुगतान प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। मानदेय वृद्धि के इस निर्णय से शिक्षा व्यवस्था से जुड़े हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा और लम्बे समय से चली आ रही मांग पूरी होने पर अनुदेशकों में उत्साह का माहौल है।

एलिवेट्स इंडिया राजीव एकेडमी के विद्यार्थियों को देगी इंडस्ट्री एक्सपोजर

कौशल विकास, इंडस्ट्री ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट बढ़ोत्तरी को किया अनुबंध

यूनिक समय, मथुरा। बदलते समय में केवल सैद्धांतिक शिक्षा ही पर्याप्त नहीं रह गई है बल्कि छात्र–छात्राओं के लिए व्यावहारिक अनुभव और इंडस्ट्री से सीधा जुड़ाव भी उतना ही आवश्यक हो गया है। इसी सोच को साकार करने के लिए राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट ने एलीवेट्स इंडिया के बीच एक समझौता किया है। समझौता पत्रों पर हस्ताक्षर आरएटीएम के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना तथा एलिवेट्स इंडिया के फाउंडर एवं चीफ ग्रोथ ऑफिसर अभिनव जुहारी ने किए। इस अवसर पर डॉ. विकास जैन हेड सीआरसी और एलीवेट्स इंडिया के अभिनव दुबे बतौर प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट तथा एलीवेट्स इंडिया के पदाधिकारियों ने इस अनुबंध को समसामयिक बताते हुए कहा कि इससे छात्र–छात्राओं के कौशल विकास, इंडस्ट्री ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। दोनों संस्थाओं ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग विद्यार्थियों के कौशल विकास और उनके करियर को नई दिशा प्रदान करेगा। निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि राजीव एकेडमी छात्र–छात्राओं को पारम्परिक शिक्षा की सीमाओं से आगे बढ़कर वास्तविक दुनिया के अवसरों से जोड़ने का प्रयास कर रही है। राजीव एकेडमी का उद्देश्य युवाओं को केवल किताबों तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रैक्टिकल अनुभव, इंडस्ट्री एक्सपोजर और उद्यमशीलता की सोच के साथ सशक्त बनाना है। डॉ. सक्सेना ने बताया कि इस अनुबंध के तहत अब विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, औद्योगिक भ्रमण, रिसर्च एवं डेवलपमेंट गतिविधियों तथा गेस्ट लेक्चर का लाभ मिलेगा। साथ ही एलिवेट्स इंडिया द्वारा पाठ्यक्रम को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में भी सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे विद्यार्थी वास्तविक कार्यस्थल के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। समझौते के तहत छात्र–छात्राओं को अत्याधुनिक तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे स्किल गैप को कम करते हुए उन्हें रोजगार के लिए सक्षम बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, संस्थान के छात्र–छात्राओं एवं फैकल्टी को इंडस्ट्री साइट्स, लैब्स एवं वर्कशॉप्स में हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग का अवसर भी प्राप्त होगा।

समझौता पत्रों पर हस्ताक्षर के बाद राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट तथा एलीवेट्स इंडिया के पदाधिकारी।

आरके एज्युकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल तथा प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने इस अनुबंध को समसामयिक और उपयोगी बताया। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि यह साझेदारी शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करेगी तथा छात्र–छात्राओं को अकादमिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करेगी, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य की सम्भावनाएं और मजबूत होंगी। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि राजीव एकेडमी का लक्ष्य एक ऐसा सशक्त इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां शिक्षा, कौशल और अवसर एक साथ मिलकर युवाओं को आगे बढ़ने का सही मंच प्रदान करें।

प्राथमिक विद्यालय में छात्रों को बैग वितरण, छात्रों के चेहरे खिले

छात्रों को बैग वितरण करते स्वयंसेवी संगठन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र के ग्राम पंचायत आन्यौर स्थित परिषदीय प्राथमिक विद्यालय आन्यौर प्रथम में स्वयंसेवी संगठन मदनमोहन के माध्यम से छात्र–छात्राओं को उच्च गुणवत्ता वाले स्कूल बैग एवं पेंसिल बैग वितरित किए गए। यह कार्यक्रम विष्णु नीदरलैंड के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों को स्वल्पाहार भी प्रदान किया गया। संगठन के व्यवस्थापक विष्णु वशिष्ठ ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य गरीब वर्ग के उन बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है, जो सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत हैं, ताकि वे भविष्य में देश के निर्माण में योगदान दे सकें। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अविनाश शुक्ला ने बताया कि विष्णु नीदरलैंड द्वारा समय–समय पर इस प्रकार के समाजसेवी कार्य किए जाते हैं, जिससे विद्यालय को बेहतर बनाने और बच्चों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

गरीब वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का उद्देश्य

विदेशों तक पहुंच रही मथुरा की पहचान

डाक विभाग को मिला रिकॉर्ड राजस्व

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा नगरी की सांस्कृतिक छवि अब सीमाओं से परे तेजी से फैल रही है। डाक विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में जनपद से 4406 अंतरराष्ट्रीय आर्टीकल विभिन्न देशों तक पहुंचाए, जिससे विभाग को लगभग एक करोड़ बाईस लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। यह आंकड़ा न केवल सेवा की बढ़ती उपयोगिता को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर मथुरा की परंपराओं को आकर्षण कर उजागर करता है। प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस बार आय में वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि लोगों का भरोसा लगातार मजबूत हुआ है, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डाक सेवाएं दी जा रहीं है। खास बात

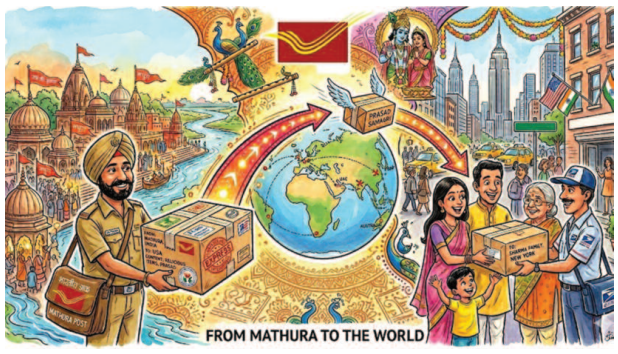

यह रही कि विभिन्न देशों में रहने वाले लोग यहां से भेजे गए सामान के माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। मथुरा से विदेशों को भेजे जाने वाले आर्टीकलों में पूजा सामग्री, धार्मिक पुस्तकें, प्रसाद, पारंपरिक वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन वस्तुओं के जरिए यहां की आस्था, रीति–रिवाज और सांस्कृतिक धरोहर की झलक दुनिया के अलग–अलग हिस्सों तक पहुंच रही है। डाक विभाग की बेहतर व्यवस्था और समयबद्ध वितरण ने भी ग्राहकों का विश्वास मजबूत किया है। डिजिटल युग में भी पारंपरिक डाक

2025–26 में 4406 अंतरराष्ट्रीय आर्टीकल भेजे गए

एक करोड़ 22 लाख रुपये की हुई आय

सेवाओं की उपयोगिता बनी हुई है, खासकर तब जब भावनाओं और आस्था से जुड़े सामान को सुरक्षित तरीके से भेजा जा रहा है। विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं के कारण लोग घर बैठे आसानी से विदेशों में पार्सल भेज पा रहे हैं। डाक विभाग की इस उपलब्धि ने न केवल राजस्व बढ़ाया है, बल्कि मथुरा की सांस्कृतिक पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान भी बनती जा रहीं है।

बारदाना संकट–खरीद ठप

सरकारी खरीद तंत्र फेल, अधिकारी गायब किसान रामभरोसे

मंडी के अंदर खुले में पड़ा गेंहू।

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। सरकार भले ही समर्थन मूल्य पर रिकॉर्ड गेहूं खरीद के दावे कर रही हो, लेकिन जनपद के राजकीय गेहूं क्रय केन्द्रों की जमीनी तस्वीर इन दावों की परतें उधेड़ रही है। बारदाना (बोरें) की भारी किल्लत के कारण कई सरकारी खरीद केन्द्रों पर खरीद व्यवस्था पिछले पांच दिनों से ठप पड़ी है और किसानों का गेहूं खुले आसमान के नीचे भगवान भरोसे पड़ा है। जिला कृषि विपणन अधिकारी संतोष द्विवेदी से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

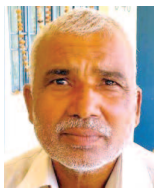

गांव नगरी के किसान रामभरोसी का कहना है कि वह लगातार पांच दिन से खरीद केन्द्र के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें यही जवाब दिया जाता है कि बरदाना नहीं आया। उनका आरोप है कि किसानों को बुलाकर अपमानित किया जा रहा है और सरकारी तंत्र केवल दिखावटी खरीद का ढोल पीट रहा है।

नौगांव के किसान सुरेश सिंह के अनुसार उनका गेहूं पांच दिन से मण्डी में बिना तौल खुले में पड़ा है। बारदाना न होने के कारण उन्हें दिन–रात खेतिहर उपज की रखवाली करनी पड़ रही है। बारिश आते ही त्रिपाल ढकने–हटाने की जद्दोजहद अलग है, जबकि आवारा पशु फसल पर लगातार खतरा बने हुए हैं।

सेही बांगर के बबलू ने आरोप लगाया कि बड़े अधिकारी एसी गाड़ियों में निरीक्षण के नाम पर आते हैं, जल्द बरदाना आने का आश्वासन देकर लौट जाते हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी रहती है। उनका कहना है कि बारिश में भीगने से उनका गेहूं खराब होना शुरू हो गया है।

गांव सोन निवाजी रमेश चंद और भरना खुर्द के दीनदयाल का कहना है कि प्रशासनिक अव्यवस्था ने किसानों को चौकीदार बना दिया है–भूखे–प्यासे दिन–रात मंडी में बैठकर अपनी मेहनत की फसल की रखवाली करनी पड़ रही है।

डिजिटल फ्रॉड रोकने के लिए आरबीआई का बड़ा कदम

10 हजार से ऊपर ट्रांजेक्शन पर लग सकता है ब्रेक

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। डिजिटल पेमेंट करने वालों के लिए बड़ा बदलाव सामने आ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रस्ताव दिया है कि 10 हजार रुपये से अधिक के ट्रांजेक्शन पर एक घंटे का लैग लागू किया जाए, यानी पैसा तुरंत खाते में पहुंचने के बजाय कुछ समय बाद क्रेडिट हो। इस दौरान ग्राहक ट्रांजेक्शन को रद्द भी कर सकेगा और संदिग्ध स्थिति में बैंक दोबारा पुष्टि मांग सकता है।

यह नियम मर्चेंट पेमेंट, ऑटो–

डिजिटल पेमेंट में दिखाई दे सकता है बदलाव

डेबिट, नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस (एनएसीएच) और चेक पर लागू नहीं होगा। आरबीआई के अनुसार 2025 में 22,930 करोड़ रुपये से अधिक का डिजिटल फ्रॉड सामने आया, जिसमें 10 हजार रुपये से ऊपर के ट्रांजेक्शन कुल धोखाधड़ी राशि का 98.5% रहे, जबकि मामलों की संख्या करीब 45% ही थी। रिपोर्ट बताती है कि अधिकतर ठगी तकनीकी हैकिंग से नहीं बल्कि ऑथराइज्ड पुश पेमेंट फ्रॉड (एपीपी) के जरिए होती है, जहां ठग लोगों को बहलाकर खुद पैसे ट्रांसफर करवाते हैं। सुरक्षा के लिए आरबीआई ने चार उपाय सुझाए हैं–सीनियर सिटिजन्स के लिए 50 हजार रुपये से ऊपर ट्रांजेक्शन पर ट्रस्टेड व्यक्ति की मंजूरी, सालाना 25 लाख रुपये से अधिक लेनदेन वाले खातों की अतिरिक्त जांच, शैडो क्रेडिट सिस्टम और किल स्विच सुविधा, जिससे यूजर तुरंत सभी पेमेंट बंद कर सके। हालांकि, इससे डिजिटल पेमेंट की गति प्रभावित हो सकती है। फिलहाल यह प्रस्ताव है और आठ मई तक सुझाव मांगे गए हैं।

अनुभव निधि आश्रम का पंचम वार्षिकोत्सव 12 को

यूनिक समय, आगरा। वृद्धों का मान, हमारा अभिमान। यही अनुभव निधि की पहचान.. इस मूल भावना के साथ हाथरस रोड पर ग्राम उजरई स्थित अनुभव निधि आश्रम का पंचम वार्षिकोत्सव 12 अप्रैल को शाम 4 बजे से आश्रम परिसर में मनाया जाएगा। आयोजकों ने समारोह का आमंत्रण पत्र जारी किया। अनुभव निधि आश्रम के अध्यक्ष विजय खन्ना (रोम संस) ने बताया कि वार्षिक उत्सव में अन्नपूर्णा महिला समिति और सरस्वती विद्या मंदिर कमला नगर के विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे तो वहीं दूसरी ओर सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए सनातन मूल्यों और बड़े–बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना जाग्रत करने वाले संदेश दिए जाएंगे। महासचिव सीए गोविंद प्रसाद अग्रवाल ने अनुभव निधि आश्रम के विजन और मिशन पर प्रकाश डाला। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि किसी बुजुर्ग का एकाकीपन दूर करना हो तो अनुभव निधि आश्रम में भेज दीजिए। हमें उनकी सेवा करने का अवसर दीजिए।

उपाध्यक्ष मुरारी प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि पंचम वार्षिक उत्सव में विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह मुख्य अतिथि होंगे। इस मौके पर कोषाध्यक्ष विनय सिंघल, आश्रम के संस्थापक सदस्य पूर्व पार्षद ताराचंद मित्तल 'तोती भाई', सीए एसके अग्रवाल, संतोष गुप्ता, प्रमोद सिंघल, रोश त्यागी, राकेश अग्रवाल, योगेंद्र सिंघल, आशा खन्ना, रेखा अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, अंजू सिंघल, मीनाक्षी अग्रवाल, निर्मल गुप्ता, सीमा अग्रवाल, रीता जैन, हरीश शर्मा 'गुड्डू भाई' और गोपाल गुप्ता आदि मौजूद थे।

परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग

यूनिक समय, कोसीकलां। अखिल भारतीय मैथिल ब्राह्मण महासभा ने भगवान परशुराम जयंती पर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की मांग की है।

महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. रामदेव भारद्वाज ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे गए डिजिटल ज्ञापन में कहा कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं, जिनके आदर्श धर्म, न्याय, तप एवं शास्त्रज्ञान पर आधारित हैं। उनके जीवन से समाज को नैतिक एवं सांस्कृतिक प्रेरणा मिलती है। इसलिए उन्होंने राज्य सरकार से भगवान परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की। भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी भारत शर्मा ने भी परशुराम जयंती पर अवकाश घोषित करने की मांग की है।

एसकेएस हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर ने असंभव को संभव बनाया

जटिल समस्या से जूझ रही मरीज को मिला मातृत्व सुख

यूनिक समय, मथुरा। एसकेएस हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर का स्त्री एवं प्रसूति विभाग अपनी उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं, अनुभवी चिकित्सकों और लगातार सफल उपचार के लिए विशेष रूप से प्रशंसनीय है। इसी क्रम में एक और सफल एवं प्रेरणादायक चिकित्सा उपलब्धि सामने आई है, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने जटिल समस्या से जूझ रही एक महिला को मातृत्व सुख प्रदान किया।

मरीज तानिया को लगभग एक वर्ष पूर्व आगरा के किसी हॉस्पिटल में बताया गया था कि उनकी दोनों फैलोपियन ट्यूब (नलियां) बंद हैं, जिसके कारण उन्हें प्राकृतिक रूप से गर्भधारण संभव नहीं होगा और (इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन) की सलाह दी गई थी।

इसके बाद मरीज तानिया ने एसकेएस हॉस्पिटल के स्त्री एवं प्रसूति विभाग के अनुभवी डॉक्टरों के बारे में सुना और उपचार के लिए वहां पहुंचीं जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सोनोसैल्पिंगोग्राफी अल्ट्रासाउंड तकनीक के माध्यम से जांच की गई। इस प्रक्रिया के दौरान दो बार सफलतापूर्वक बंद नलियों को खोला गया। उचित उपचार के पश्चात मरीज ने स्वाभाविक रूप से गर्भधारण किया, जो चिकित्सा टीम की कुशलता और आधुनिक तकनीक का प्रमाण है।

इस जटिल प्रक्रिया को प्रसूति एवं

हॉस्पिटल का स्त्री एवं प्रसूति विभाग उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए प्रशंसनीय

स्त्री रोग विभाग की विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. दीपिका मनोचा एवं डॉ. लता के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। सफल ऑपरेशन से स्वस्थ शिशु का जन्म कराया गया। वहीं एसकेएस हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. राम बदन चौहान ने कहा कि अस्पताल भविष्य में भी अनुभवी चिकित्सकों के माध्यम से बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता रहेगा।

121 कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू

श्रीमद भागवत कथा के प्रारंभ होने पर निकाली कलश यात्रा में शामिल भक्त।

यूनिक समय, गोवर्धन। ग्राम रामनगर–जचौंदा, गोवर्धन रोड स्थित श्री हनुमान कृपा आश्रम में आज से श्रीमद् भागवत कथा शुरू हो गई। यह कथा 16 अप्रैल तक चलेगी। कथा प्रतिदिन दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक होगी। कथा के शुभारंभ पर आज 121 कलशों के साथ कलश यात्रा निकाली गई। श्री श्री 108 श्री बाबा बालक दास महाराज का ग्रामवासियों ने स्वागत किया। कलश यात्रा भ्रमण करते हुए यात्रा अंत में श्री हनुमान कृपा आश्रम, ग्राम रामनगर पहुंची।

सुविचार

सच्चाई और मेहनत कभी बेकार नहीं जाती, सफलता जरूर मिलती है।

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी 11:15-12:37 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा 11:27- 01:39 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	6:03 AM	चन्द्रोदय	02:00 AM
सूर्यास्त	6:37 PM	चंद्रास्त	12:38 PM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त	11:55AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:11 AM: 10:46 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अक्षय तृतीया 19 अप्रैल : अभिजित मुहूर्त में गृह प्रवेश से बढ़ेगी समृद्धि

ग्रहों की शुभ स्थिति बना रही खास संयोग

सही विधि से करें प्रवेश मिलेगा पूर्ण लाभ

रसोई की शुरुआत से आती है घर में बरकत

दान-पुण्य से कई गुना बढ़ता है शुभ फल

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय तृतीया इस बार 19 अप्रैल को मनाई जाएगी और इसे हिंदू धर्म में अत्यंत शुभ दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए शुभ कार्यों का फल कभी समाप्त नहीं होता। यही कारण है कि गृह प्रवेश, खरीदारी और नए कार्यों की शुरुआत के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है।

ज्योतिष के अनुसार इस दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों उच्च स्थिति में रहते हैं, जो इसे और अधिक शुभ बनाता है। खासतौर पर गृह प्रवेश के लिए सुबह 11:55 से 12:46 तक का अभिजित मुहूर्त अत्यंत लाभकारी माना गया है। इस समय घर में प्रवेश करने से सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

गृह प्रवेश केवल एक रस्म नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा को घर में आमंत्रित करने की प्रक्रिया है। नए घर के मुख्य द्वार को फूलों, तोरण और रंगोली से सजाना शुभ माना जाता है। इससे घर में सकारात्मक वातावरण बनता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

पूजा-पाठ का भी इस दिन विशेष महत्व होता है। वास्तु शांति, नवग्रह पूजा और हवन कराने से ग्रह दोष शांत होते हैं और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। घर में प्रवेश करते समय दाहिने पैर से कदम रखना शुभ माना जाता है, जो नई शुरुआत का संकेत देता है। गृह प्रवेश के बाद रसोई में मीठा बनाना, जैसे दूध उबालना या खीर बनाना, समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। साथ ही इस दिन दान-पुण्य करना भी विशेष फलदायी होता है। जरूरतमंदों को भोजन कराना और दान देना जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है। अंततः, अक्षय तृतीया केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि एक ऐसा अवसर है जो जीवन में नई शुरुआत के साथ स्थायी सुख और सफलता का संदेश देता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मीन राशि में बुध-शनि की युति, छह राशियों के लिए बढ़ेंगी चुनौतियां

करियर और रिश्तों में उतार-चढ़ाव के संकेत, सतर्क रहने की सलाह

यूनिक समय, मथुरा। वैदिक ज्योतिष के अनुसार 11 अप्रैल की मध्य रात्रि 12:12 बजे होगा, जब बुध ग्रह कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। मीन राशि बुध की नीच राशि मानी जाती है, जहां पहले से ही शनि, सूर्य और मंगल ग्रह मौजूद हैं। ऐसे में बुध और शनि की युति एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय स्थिति बना रही है, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर पड़ेगा, लेकिन विशेष रूप से 6 राशियों के लिए यह समय सावधानी बरतने का संकेत दे रहा है।

ज्योतिष शास्त्र में बुध को बुद्धि, वाणी, व्यापार और तर्क का कारक माना जाता है, जबकि शनि अनुशासन, कर्म और न्याय के प्रतीक हैं। इन दोनों ग्रहों की युति से निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, जिससे कई लोगों को भ्रम और असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। मेष और वृषभ राशि वालों के लिए यह समय आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतने का है। गलत सलाह या जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान पहुंचा सकता है। कर्क राशि वालों को यात्रा और पारिवारिक मामलों में परेशानियां आ सकती हैं, वहीं कन्या राशि के जातकों को वैवाहिक जीवन और साझेदारी में मतभेद का सामना करना पड़ सकता है। तुला राशि के लोगों को कार्यस्थल पर चुनौतियां और अधिकारियों से तनाव झेलना पड़ सकता है। वहीं मकर राशि के लिए यह समय विशेष रूप से संचार और मीडिया से जुड़े कार्यों में बाधा उत्पन्न कर सकता है। साथ ही खर्चों में वृद्धि और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस अवधि में किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को सोच-समझकर लेना चाहिए। विवादों से दूर रहना, खर्चों पर नियंत्रण रखना और धैर्य बनाए रखना ही इस समय का सबसे बड़ा उपाय है। धार्मिक कार्यों और सकारात्मक सोच से इस युति के नकारात्मक प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।कुल मिलाकर, बुध-शनि की यह युति जहां कुछ राशियों के लिए चुनौतीपूर्ण है, वहीं यह समय आत्मविश्लेषण और सतर्कता के जरिए बेहतर भविष्य की दिशा भी दिखा सकता है।

कल का राशिफल

मेष: कल का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, खर्च पर नियंत्रण रखें।

वृषभ: दिन संतुलित रहेगा। नौकरी और व्यापार में स्थिरता बनी रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और मन शांत रहेगा।

मिथुन: नई योजनाएं बनेंगी और कार्य में सफलता मिलेगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

कर्क: भावनात्मक रूप से थोड़ा उतार-चढ़ाव रह सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के संकेत हैं। आर्थिक मामलों में लाभ मिल सकता है।

कन्या: मेहनत का फल मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा मिल सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

तुला: दिन सामान्य रहेगा। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक: कार्य में सावधानी बरतें। जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु: नए अवसर मिल सकते हैं। यात्रा के योग बन रहे हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मकर: कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। मेहनत से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नए संपर्क लाभदायक साबित होंगे। धन की स्थिति बेहतर होगी।

मीन: दिन शुभ रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा। परिवार और मित्रों के साथ अच्छा समय बितेगा, कार्यों में सफलता मिलेगी।

घर के मंदिर में छोटी भूलें भी रोक सकती हैं सुख-समृद्धि का रास्ता

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप रोजाना पूरी श्रद्धा के साथ भगवान की पूजा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद जीवन में रुकावटें बनी रहती हैं, तो इसके पीछे कारण आपके पूजा घर में रखी कुछ गलत चीजें हो सकती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का मंदिर सबसे पवित्र स्थान माना जाता है और यहां छोटी-छोटी गलतियां भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं।

सबसे पहले बात करें भगवान की मूर्तियों के आकार की। वास्तु के अनुसार, पूजा घर में बहुत बड़ी मूर्तियां रखना उचित नहीं माना जाता। 3 से 6 इंच तक की मूर्तियां ही शुभ मानी जाती हैं। बड़ी मूर्तियां मंदिरों के लिए होती हैं, जहां उनकी विशेष विधि से पूजा की जाती है। घर में बड़ी मूर्तियां रखने से ऊर्जा संतुलन बिगड़ सकता है।

एक और आम गलती है एक ही देवी-देवता की एक से अधिक मूर्तियां या तस्वीरें रखना। ऐसा करना वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है।

विशेष रूप से भगवान गणेश की एक से अधिक मूर्तियां घर में नहीं होनी चाहिए। इससे घर के शुभ कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं और परिवार के सदस्यों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

शंख की संख्या को लेकर भी विशेष ध्यान रखना जरूरी है। पूजा घर में एक से अधिक शंख रखना सही नहीं माना जाता। इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। इसलिए हमेशा एक ही शंख रखना बेहतर होता है।

अक्सर लोग पूजा के बर्तनों पर ध्यान नहीं देते और टूटे-फूटे बर्तन इस्तेमाल करते रहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसे बर्तन अशुभ होते हैं और ग्रह दोष का कारण बन सकते हैं। इससे घर में कलह और कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं। इसलिए पूजा में हमेशा साफ और सही बर्तनों का ही उपयोग करना चाहिए।

भोग लगाने के बाद उसे लंबे समय तक मंदिर में छोड़ देना भी एक बड़ी गलती मानी जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान को भोग लगते ही प्रसाद ग्रहण हो जाता है। ऐसे में भोग को अधिक समय तक वहीं रखना उचित नहीं है। कुछ समय बाद उसे परिवार में बांट देना चाहिए या भोजन में शामिल कर लेना चाहिए।

कुल मिलाकर, पूजा घर में रखी चीजों का सही होना बहुत जरूरी है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर आप न केवल अपनी पूजा को सफल बना सकते हैं, बल्कि घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ा सकते हैं।

व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 13 अप्रैल: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल: बैसाखी
- 15 अप्रैल: प्रदोष व्रत, मा. शिवरात्रि
- 17 अप्रैल: वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

युद्ध नहीं शांति ही मानवता का है भविष्य

आज की वैश्विक परिस्थितियाँ इस बात की गवाही दे रही हैं कि दुनिया एक बार फिर हिंसा, युद्ध और सत्ता संघर्ष के चक्रव्यूह में फँसती जा रही है। रूस–यूक्रेन युद्ध से लेकर मध्य पूर्व के तनाव और अन्य क्षेत्रीय संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युग में भी मानवता शांति की राह पर पूरी तरह स्थापित नहीं हो सकी है। विडंबना यह है कि जहाँ एक ओर विज्ञान और तकनीक मानव को मंगल ग्रह पर बस्तियाँ बसाने का सपना दिखा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पृथ्वी पर इंसान ही इंसान का दुश्मन बन बैठा है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं का जन्मदाता है।

पवन गौतम
संपादक

हर युद्ध के बाद विनाश, विस्थापन, भुखमरी और मानसिक आघात की लंबी श्रृंखला जन्म लेती है। सबसे अधिक कीमत उन निर्दोष लोगों को चुकानी पड़ती है, जिनका सत्ता या राजनीति से कोई संबंध नहीं होता। बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सबसे बड़े शिकार बनते हैं। स्कूल, अस्पताल और घर मलबे में बदल जाते हैं, और सभ्यता की नींव हिल जाती है।

आज वैश्विक संस्थाएँ और शांति के दावे करने वाले मंच भी अक्सर असहाय दिखाई देते हैं। संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठन कई बार केवल दर्शक बनकर रह जाते हैं, जबकि दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में गोलियाँ और मिसाइलें गूँजती रहती हैं। यह स्थिति मानवता के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि समय रहते शांति की दिशा में ठोस प्रयास नहीं किए गए तो परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी नष्ट कर देता है। रक्षा बजट बढ़ते जा रहे हैं, जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास योजनाएँ पीछे छूटती जा रही हैं। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और प्रदूषण भी युद्धों के कारण बढ़ता जा रहा है।

अब समय आ गया है कि विश्व नेतृत्व और आम जनमानस दोनों यह समझें कि शक्ति का प्रदर्शन स्थायी समाधान नहीं है। असली महानता युद्ध जीतने में नहीं, बल्कि शांति स्थापित करने में है। संवाद, कूटनीति और आपसी सहयोग ही वह मार्ग हैं जो मानवता को विनाश से बचा सकते हैं।

यदि आज भी दुनिया ने सबक नहीं सीखा, तो भविष्य में इंसान तो रहेगा, लेकिन इंसानियत शायद इतिहास बनकर रह जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि हम हथियारों की दौड़ छोड़कर प्रेम, भाईचारे और शांति की ओर कदम बढ़ाएँ, क्योंकि अंततः मानवता का भविष्य युद्ध नहीं, केवल शांति ही सुरक्षित कर सकती है।

नजरिया

पाकिस्तान की मध्यस्थता और वैश्विक तनाव की राजनीति

बोध प्रकाश सगुणी

आज की वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ शांति की उम्मीदें बार–बार उठती हैं लेकिन हर बार किसी न किसी तनाव की दीवार से टकराकर बिखर जाती हैं। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्धविराम और वार्ता की खबरें एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर हलचल पैदा कर रही हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में प्रस्तावित बातचीत ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है, लेकिन इसके साथ ही संदेह, आशंका और राजनीतिक जटिलताओं का एक घना बादल भी खड़ा हो गया है।

यह पूरा घटनाक्रम केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति–संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और भू–राजनीतिक हितों का जटिल संगम बन चुका है। हर बयान, हर सैन्य गतिविधि और हर कूटनीतिक संकेत इस बात की ओर इशारा करता है कि यह संघर्ष केवल कागज पर नहीं, बल्कि वास्तविक रणनीतिक धरातल पर लड़ा जा रहा है।

पाकिस्तान की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील हो गई है। एक ओर उसे शांति वार्ता की मेजबानी कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी कूटनीतिक छवि मजबूत करने का अवसर मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर विफलता की स्थिति में उसकी राजनीतिक विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ सकते हैं। मध्यस्थता हमेशा एक कठिन जिम्मेदारी होती है, क्योंकि इसमें दोनों पक्षों का भरोसा अर्जित करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। इस्लामाबाद में होने वाली संभावित बैठक को लेकर तैयारियाँ तेज हैं, होटल बुकिंग से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक हर स्तर पर प्रशासन सक्रिय दिखाई दे रहा है। लेकिन इसी बीच ईरान और अमेरिका के बयानों में विरोधाभास इस वार्ता की स्थिरता पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं। एक तरफ बातचीत की बात होती है, तो दूसरी तरफ चेतावनियों और सख्त रुख का सिलसिला भी जारी रहता है। सबसे संवेदनशील मुद्दा होर्मुज जलडमरूमध्य है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ माना जाता है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की बाधा न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है, बल्कि पूरी दुनिया की तेल आपूर्ति श्रृंखला को हिला सकती है। यही कारण है कि यह विवाद केवल राजनीतिक नहीं बल्कि आर्थिक युद्ध का भी रूप ले चुका है। ईरान अपने रणनीतिक अधिकारों और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है, जबकि अमेरिका अपने वैश्विक हितों और सहयोगी देशों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र में किसी भी अस्थिरता को स्वीकार करने के मूड में नहीं दिखता। यही टकराव इस पूरे संकट की जड़ है, जो बार–बार शांति प्रयासों को कमजोर कर देता है। दुनिया का इतिहास यह बताता है कि ऐसे बड़े संघर्ष केवल हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद और विश्वास से हल होते हैं। लेकिन जब दोनों पक्ष एक–दूसरे पर भरोसा करने की स्थिति में न हों, तो वार्ता केवल एक औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाती है। यही सबसे बड़ी चुनौती आज के इस संकट में दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति प्रदर्शन और रणनीतिक दबाव का खेल हमेशा चलता रहा है, लेकिन वर्तमान स्थिति पहले से अधिक जटिल हो चुकी है।

वैश्विक गठबंधन, ऊर्जा राजनीति और क्षेत्रीय सुरक्षा हित इस संघर्ष को और अधिक संवेदनशील बना रहे हैं। हर देश अपने हितों के अनुसार इस स्थिति को देख रहा है, जिससे समाधान की राह और कठिन होती जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। जब भी ऐसे अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ते हैं, तो सबसे पहले असर ऊर्जा कीमतों, खाद्य आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता पर दिखाई देता है। तेल के दामों में उतार–चढ़ाव और बाजार की अनिश्चितता इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। युद्ध या तनाव की स्थिति में केवल सीमाओं पर सैनिक नहीं होते, बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था अस्थिर हो जाती है। विकास योजनाएँ प्रभावित होती हैं, निवेश रुक जाता है और सबसे अधिक नुकसान विकासशील देशों को उठाना पड़ता है। यही कारण है कि शांति केवल राजनीतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिवार्यता भी है। पाकिस्तान की मध्यस्थता इस संदर्भ में एक प्रयोग की तरह देखी जा रही है। यदि यह सफल होती है तो यह क्षेत्रीय कूटनीति में एक नया अध्याय जोड़ सकती है, लेकिन यदि असफल होती है तो यह एक और अधूरी पहल बनकर रह जाएगी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मध्यस्थता केवल स्थान देने का कार्य नहीं है, बल्कि विश्वास बनाने की कला है। ईरान और अमेरिका दोनों ही अपने–अपने दृष्टिकोण से इस वार्ता को देख रहे हैं। एक तरफ सुरक्षा और संप्रभुता का प्रश्न है, तो दूसरी तरफ रणनीतिक प्रभाव और वैश्विक नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा है। ऐसे में समाधान निकालना आसान नहीं होता, क्योंकि हर मुद्दे के पीछे दशकों पुरानी राजनीति और अविश्वास की परतें जुड़ी होती हैं। आज की दुनिया तकनीकी रूप से जितनी उन्नत है, राजनीतिक रूप से उतनी ही जटिल होती जा रही है। संवाद के साधन बढ़े हैं, लेकिन समझ की कमी अभी भी बनी हुई है। यही कारण है कि हर शांति प्रयास के साथ–साथ संघर्ष की आशंका भी जीवित रहती है। यदि इस वार्ता को सफल बनाना है, तो केवल औपचारिक बैठकों से काम नहीं चलेगा। इसके लिए ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारदर्शिता और सबसे महत्वपूर्ण–आपसी विश्वास का निर्माण आवश्यक होगा। बिना विश्वास के कोई भी समझौता स्थायी नहीं हो सकता। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं की भूमिका भी इस समय महत्वपूर्ण है, लेकिन अक्सर उनकी सीमाएँ सामने आ जाती हैं। निर्णय लेने की शक्ति और क्रियान्वयन की क्षमता के बीच का अंतर कई बार उन्हें प्रभावी भूमिका निभाने से रोक देता है। इस पूरे परिदृश्य में एक बड़ा प्रश्न यह भी है कि क्या दुनिया वास्तव में शांति चाहती है, या फिर शांति केवल एक राजनीतिक नारा बनकर रह गई है? क्योंकि जमीनी स्तर पर जो घटनाएँ हो रही हैं, वे अक्सर विपरीत दिशा की ओर संकेत करती हैं। होर्मुज जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में तनाव केवल क्षेत्रीय नहीं रहता, वह वैश्विक संकट का रूप ले लेता है। यही कारण है कि यहां होने वाली हर गतिविधि पर पूरी दुनिया की नजर रहती है। यह केवल भूगोल नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका–ईरान वार्ता केवल दो देशों की बातचीत नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यदि यह वार्ता सफल होती है तो यह शांति की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि होगी, और यदि असफल होती है तो यह वैश्विक अस्थिरता को और गहरा कर सकती है। दुनिया को अब यह तय करना होगा कि वह संघर्ष के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहती है या संवाद और सहयोग के मार्ग को अपनाना चाहती है। क्योंकि इतिहास बार–बार यही सिखाता है कि युद्ध में कोई विजेता नहीं होता, और शांति में कोई पराजित नहीं।

विचार विण्डो

विधानसभा चुनाव: लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा और सत्ता के नए समीकरण

योगेश कुमार गोयल

देश के पांच प्रमुख राज्यों के विधानसभा चुनाव इस समय भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी और निर्णायक राजनीतिक परीक्षा के रूप में देखे जा रहे हैं। केरल, असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में चल रहा यह चुनावी महासंग्राम केवल सरकार बदलने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह आने वाले वर्षों की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण मोड़ भी साबित हो सकता है।

इन पांच राज्यों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा ऐसा विशाल राजनीतिक रणक्षेत्र है, जो केंद्र की राजनीति की धुरी को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। मतदान अलग–अलग चरणों में संपन्न हो रहा है और 4 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे, जिसके बाद राजनीतिक तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी।

इस बार का चुनावी माहौल बेहद तीव्र और प्रतिस्पर्धी है। हर ओर रैलियों की गूंज, वादों की बौछार और आरोप–प्रत्यारोप की राजनीति अपने चरम पर है। सत्ता पक्ष अपने विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक उपलब्धियों के सहारे जनता के बीच है, जबकि विपक्ष बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर सरकार को घेरने में जुटा है। यह संघर्ष अब केवल सत्ता प्राप्ति तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह विचारधाराओं और विकास मॉडलों की सीधी टक्कर बन चुका है।

पश्चिम बंगाल इस पूरे चुनावी परिदृश्य का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। 294 सीटों पर लगभग 6.44 करोड़ मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यहां तृणमूल कांग्रेस अपनी सरकार के कार्यों, महिला सशक्तिकरण योजनाओं और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों के साथ मैदान में है, जबकि भारतीय जनता पार्टी विकास, सुशासन और परिवर्तन के एजेंडे पर चुनाव लड़ रही है। दोनों दलों के बीच कड़ा मुकाबला है और हर सीट निर्णायक मानी जा रही है। असम में 126 सीटों पर 2.25 करोड़ मतदाता फैसला करेंगे। यहां सवाल यह है कि क्या भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौट पाएगी या विपक्ष उसे चुनौती देने में सफल होगा। सरकार विकास, सड़क, उद्योग और सुरक्षा को मुद्दा बना रही है, जबकि विपक्ष बेरोजगारी, नागरिकता और क्षेत्रीय पहचान जैसे विषय उठा रहा है। असम का परिणाम पूर्वोत्तर भारत की राजनीति को प्रभावित करेगा।

तमिलनाडु की राजनीति हमेशा द्रविड़ विचारधारा पर आधारित रही है। 234 सीटों पर 5.67 करोड़ मतदाता मतदान कर रहे हैं। यहां सामाजिक न्याय, कल्याणकारी योजनाएं और क्षेत्रीय पहचान मुख्य मुद्दे हैं। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम गठबंधन अपने शासन मॉडल के आधार पर मैदान में है, जबकि विपक्ष महंगाई और प्रशासनिक मुद्दों को उठा रहा है। नए राजनीतिक चेहरों की एंट्री ने मुकाबले को और रोचक बना दिया है। केरल में 140 सीटों पर 2.7 करोड़ मतदाता मतदान कर रहे हैं। यहां पारंपरिक रूप से सत्ता परिवर्तन की राजनीति रही है, लेकिन पिछले चुनाव में वाम मोर्चा लगातार दूसरी बार जीतने में सफल रहा था। यदि वह तीसरी बार सत्ता में आता है, तो यह नया इतिहास होगा। वाम मोर्चा शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण को आधार बना रहा है, जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाला गठबंधन बेरोजगारी और महंगाई पर सरकार को घेर रहा है। मुकाबला त्रिकोणीय होता जा रहा है। पुदुचेरी भले ही छोटा केंद्र शासित प्रदेश है, लेकिन यहां की राजनीति बेहद निर्णायक होती है। 30 सीटों पर करीब 9.44 लाख मतदाता मतदान करते हैं। यहां गठबंधन राजनीति का असर सबसे अधिक है और छोटे वोट अंतर भी सत्ता बदल सकते हैं। पिछले चुनाव में गठबंधन सरकार बनी थी और इस बार भी मुकाबला कड़ा है।

इस बार किसी एक मुद्दे का वर्चस्व नहीं है। रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि संकट और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दे अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग रूप में सामने आ रहे हैं। यही विविधता इन चुनावों को और जटिल बनाती है। डिजिटल माध्यम और सोशल मीडिया ने चुनाव प्रचार को नई दिशा दी है, जहां संदेश और धारणा बनाने की लड़ाई जमीन से लेकर ऑनलाइन मंच तक लड़ी जा रही है।

इन चुनावों को 2029 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल भी माना जा रहा है। इन राज्यों से आने वाली 116 लोकसभा सीटें केंद्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि किसी दल को पश्चिम बंगाल, असम और दक्षिण भारत में सफलता मिलती है, तो उसकी राष्ट्रीय स्थिति मजबूत हो सकती है। वहीं विपक्षी दलों की जीत उन्हें नई ऊर्जा दे सकती है।

कुल मिलाकर यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा है। मतदाता शांत हैं लेकिन निर्णायक भूमिका में हैं। 4 मई को परिणाम यह तय करेंगे कि जनता ने किसे विश्वास दिया और किसे आत्ममंथन की आवश्यकता है। लोकतंत्र का यह महापर्व एक बार फिर साबित करेगा कि अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है और वही देश की राजनीतिक दिशा तय करती है।

बेन लिस्टर को मिली जगह

सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, क्लार्क बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 17 अप्रैल से बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इस दौरे से पहले टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि तेज गेंदबाज ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने उनकी जगह बेन लिस्टर को टीम में शामिल करने का ऐलान किया है।

क्रिस्टियन क्लार्क को हाल ही में घोषित स्क्वाड में जगह दी गई थी, लेकिन श्रीलंका–ए के खिलाफ खेले गए एक वनडे मैच के दौरान वह चोटिल हो गए। फील्डिंग के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में उनके दाहिने हाथ की उंगलियों के बीच की वेबिंग में चोट लग गई। मेडिकल जांच के बाद उन्हें बांग्लादेश दौरे से बाहर कर दिया

गया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने आधिकारिक बयान में बताया कि क्लार्क की चोट को ठीक होने में समय लगेगा, इसलिए एहतियात के तौर पर उन्हें टीम से हटाने का फैसला लिया गया है। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए बेन लिस्टर के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। लिस्टर अब तक न्यूजीलैंड के लिए 4 वनडे और 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच अप्रैल 2024 में खेला था।

यह सीरीज दोनों टीमों के लिए काफी अहम मानी जा रही है, खासकर 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए। बांग्लादेश की टीम अपनी रैंकिंग सुधारने की कोशिश में होगी, ताकि उसे विश्व कप में सीधे एंट्री मिल सके। वहीं न्यूजीलैंड भी अपनी बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने के साथ संयोजन को मजबूत करना चाहेगा।

दौरे की शुरुआत 17 अप्रैल से वनडे सीरीज के साथ होगी। पहले दो मुकाबले ढाका में खेले जाएंगे, जबकि तीसरा मैच चट्टोग्राम में आयोजित होगा। इसके बाद 27 अप्रैल से टी20 सीरीज शुरू होगी, जिसमें शुरुआती दो मैच चट्टोग्राम और अंतिम मुकाबला ढाका में खेला जाएगा।

अब देखना होगा कि बेन लिस्टर इस मौके का कितना फायदा उठाते हैं और टीम में अपनी जगह को कितना मजबूत कर पाते हैं।

अभिरा पर मेहर का जानलेवा हमला, अरमान के उड़े होश

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के आने वाले एपिसोड में कहानी जबरदस्त मोड़ लेने वाली है। अभिरा एक बड़े सच को उजागर करने की तैयारी में है, लेकिन इससे पहले ही उस पर जानलेवा हमला हो जाता है। इस घटनाक्रम से पोद्दार हाउस में हड़कंप मचने वाला है।

कहानी के मुताबिक, अभिरा मेहर का सच सबके सामने लाकर उसकी और अरमान की शादी रोकना चाहती है। इसी दौरान मेहर, अभिरा को उकसाने के लिए अरमान की शर्ट पर लिपस्टिक का निशान लगा देती है। यह देखकर अभिरा गुस्से में आ जाती है और मेहर को बेनकाब करने की ठान लेती है।

जैसे ही अभिरा को मेहर के खिलाफ सबूत मिलते हैं, मेहर उस पर हमला कर देती है। वह अभिरा के सिर पर वार करती है और उसके फोन से सारे सबूत मिटा देती है। इसके बाद मेहर उसे चुनौती देती है कि अब वह उसे कभी गलत साबित नहीं कर पाएगी।

दूसरी ओर, अभिरा के अचानक गायब होने से अरमान और मायरा परेशान हो जाते हैं। हालांकि मायरा इसे हल्के में लेती है, लेकिन स्थिति तब गंभीर हो जाती है जब मुक्ति को अभिरा बेहोशी की हालत में मिलती है। उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

अब सवाल यह है कि क्या अभिरा की जान बच पाएगी और मेहर का सच सामने आ सकेगा? आने वाले एपिसोड में दर्शकों को हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिलेगा।

'डकैत' रिव्यू: प्यार, धोखा और बदले की कहानी

दमदार क्लाइमैक्स से संभली फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर तेलुगु फिल्म 'डकैत' एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा है, जो पुराने लेकिन सफल बदले के फॉर्मूले पर आधारित है। निर्देशक शेनिल देव की यह फिल्म 13 साल बाद दो प्रेमियों की टकराहट, दर्द और प्रतिशोध की कहानी बयां करती है। फिल्म को 3/5 स्टार मिले हैं।

कहानी हरि (अदिवी शेष) और सरस्वती (मृणाल ठाकुर) के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक–दूसरे से बेपनाह प्यार करते हैं। दोनों का रिश्ता मासूमियत से भरा है, लेकिन एक घटना उनकी जिंदगी बदल देती है। हालात ऐसे बनते हैं कि हरि जेल पहुंच जाता है और सबसे बड़ा झटका उसे तब लगता है, जब सरस्वती ही उसके खिलाफ खड़ी हो जाती है। 13 साल बाद जेल से निकलकर हरि

बदले की आग में जलता हुआ लौटता है।

जेल से बाहर आने के बाद हरि का मकसद सिर्फ बदला लेना रह जाता है, लेकिन कहानी तब दिलचस्प हो जाती है जब उसे पता चलता है कि सरस्वती अब शादीशुदा है और एक बेटी की मां भी है। मजबूरी में सरस्वती उसी हरि के लिए काम करने लगती है, जिससे वह कभी प्यार करती थी। दोनों के बीच का तनाव और अधूरे जज्बात ही फिल्म की असली ताकत हैं। अभिनय की बात करें तो अदिवी शेष ने गुस्सैल और बागी किरदार में दमदार प्रदर्शन किया है। वहीं मृणाल ठाकुर को भी मजबूत भूमिका मिली है और उन्होंने भावनात्मक दृश्यों में प्रभावित किया है। अनुराग कश्यप और प्रकाश राज जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं, हालांकि उनके किरदार पूरी तरह उभर नहीं पाते।

फिल्म का निर्देशन और पटकथा कुछ हिस्सों में मजबूत है, खासकर शुरुआत और क्लाइमैक्स में। लेकिन बीच–बीच में कहानी की रफ्तार धीमी पड़ती है और कुछ दृश्य खिंचे हुए लगते हैं। लॉजिक की कमी भी कई जगह महसूस होती है।

इसके बावजूद 'डकैत' एक पॉपकॉर्न एंटरटेनर के रूप में दर्शकों को बांधे रखने में सफल रहती है। फिल्म के आखिरी 15 मिनट बेहद प्रभावशाली हैं, जो पूरे अनुभव को बेहतर बना देते हैं। अगर आप एक्शन और ड्रामा से भरपूर मसाला फिल्म पसंद करते हैं, तो यह फिल्म आपके लिए ठीक विकल्प साबित हो सकती है।

गुवाहाटी में फिर दिखेगा रनफेस्ट या गेंदबाज करेंगे कमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में आमने–सामने होंगी। दोनों ही टीमें इस सीजन अब तक शानदार फॉर्म में हैं, ऐसे में मुकाबले के रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है। फैंस की नजरें खासतौर पर पिच पर टिकी हैं कि यहां बल्लेबाजों का दबदबा रहेगा या गेंदबाज बाजी मारेंगे। बरसापारा स्टेडियम की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है। पिछले मुकाबले में राजस्थान के बल्लेबाजों, खासकर यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक बल्लेबाजी कर यह साबित भी किया था। ऐसे में एक बार फिर हाई–स्कोरिंग मैच की

उम्मीद की जा सकती है। हालांकि हाल के दिनों में गुवाहाटी में हुई बारिश के कारण पिच में नमी रहने की संभावना है, जिससे शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। इस स्थिति में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद कर सकती है।

आईपीएल आंकड़ों पर नजर डालें तो इस मैदान पर अब तक कुल 8 मैच खेले गए हैं। इनमें पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 4 मुकाबले जीते हैं, जबकि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को 3 बार सफलता मिली है। एक मैच बेनतीजा रहा। इस मैदान का सर्वोच्च स्कोर 199/4 है, जबकि न्यूनतम स्कोर 127 रन रहा है। पहली पारी का औसत स्कोर करीब 144 रन है, और अब तक यहां 200 का आंकड़ा पार नहीं हुआ है। दोनों टीमों की बात करें तो राजस्थान के पास जायसवाल और सूर्यवंशी जैसे आक्रामक ओपनर हैं, जबकि गेंदबाजी में संदीप शर्मा और नांद्रे बर्गर अहम भूमिका निभाते हैं। वहीं आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और टिम डेविड जैसे मैच विनर बल्लेबाज मौजूद हैं। कुल मिलाकर, पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार रहेगी, लेकिन मौसम और नमी के चलते गेंदबाज भी मैच में असर डाल सकते हैं। मुकाबला संतुलित और रोमांचक होने की पूरी संभावना है।

एक महीने बाद दिखाई पहली झलक

रणदीप हुड्डा ने बेटी का रखा अनोखा नाम न्योमिका

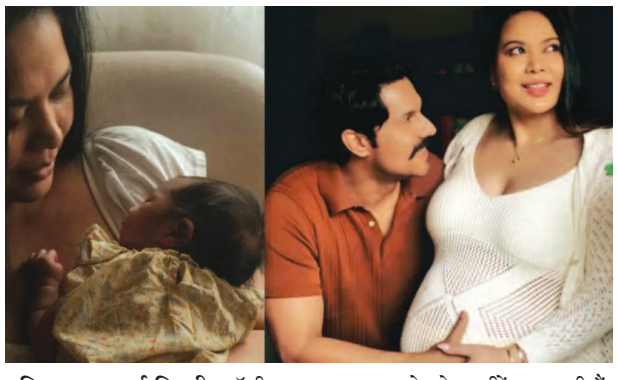

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम हाल ही में बेटी के माता–पिता बने हैं। अब बेटी के जन्म के ठीक एक महीने बाद इस कपल ने फैंस के साथ उसकी पहली झलक साझा करने के साथ उसका खास नाम भी बताया है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई इस खुशखबरी को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

रणदीप और लिन ने अपनी बेटी का नाम 'न्योमिका' रखा है, जो सुनने में जितना अलग है, उसका अर्थ भी उतना ही खास है। 'न्योमिका' का मतलब दिव्य कृपा, स्वतंत्रता और आकाश की तरह असीम बताया गया है। इस नाम का सुझाव रणदीप की बहन अंजलि हुड्डा ने दिया था, जिसे सुनते ही कपल ने इसे अपनी बेटी के लिए चुन लिया।

कपल ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें लिन अपनी बेटी को गोद में लिए नजर आ रही हैं। वहीं रणदीप भी बेटी के साथ भावुक अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "हमारी जिंदगी में एक नया अध्याय–न्योमिका हुड्डा।" यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस और सेलेब्स ने शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया।

रणदीप और लिन की शादी 29 नवंबर 2023 को इम्फाल में पारंपरिक मैतेई रीति–रिवाजों से हुई थी, जिसने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। दोनों की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प रही है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा जल्द ही फिल्म 'ईथा' में नजर आएंगे। फिलहाल वह अपने परिवार के साथ इस नए सफर का आनंद ले रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में अंतिम मतदाता सूची जारी

एसआईआर के बाद 2 करोड़ नाम कटे

यूनिक समय लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में अब कुल 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा पहले जारी सूची के मुकाबले काफी कम है, क्योंकि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान करीब 2.05 करोड़ नाम सूची से हटा दिए गए। इससे पहले 27 अक्तूबर 2025 को फ्रीज की गई मतदाता सूची में 15.44 करोड़ मतदाता थे। 166 दिन तक चले इस व्यापक अभियान के बाद मतदाता सूची को अपडेट किया गया। हालांकि 6 जनवरी 2026 को जारी मसौदा सूची के मुकाबले अंतिम सूची में 84 लाख 28 हजार 767 नए मतदाताओं की वृद्धि भी दर्ज की गई है। अंतिम आंकड़ों के

प्रदेश में कुल 13.39 करोड़ मतदाता,

166 दिन चली गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया

अनुसार प्रदेश में पुरुष मतदाता 54.54 प्रतिशत हैं, जिनकी संख्या 7 करोड़ 30 लाख से अधिक है। वहीं महिला मतदाताओं की हिस्सेदारी 45.46 प्रतिशत है, जिनकी संख्या 6 करोड़ 9 लाख से ज्यादा है। तृतीय लिंग के 4,206 मतदाता भी सूची में शामिल हैं। 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 17.63 लाख नए युवा मतदाता इस बार जोड़े गए हैं।

जिलों की बात करें तो प्रयागराज में सबसे ज्यादा 3.29 लाख मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर में भी बड़ी संख्या में नए मतदाता जुड़े हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं, वे फॉर्म–6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। वहीं, बड़ी संख्या में फॉर्म–7 के जरिए नाम हटाने के आवेदन भी प्राप्त हुए। इस पूरी प्रक्रिया में डाटा मिलान और विसंगतियों को दूर करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

गत्ता फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

यूनिक समय, आगरा। ट्रांस यमुना क्षेत्र स्थित नगला चंदन में एक गत्ता फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री इसकी चपेट में आ गई और अंदर रखा लाखों रुपये का तैयार माल व कच्चा सामान जलकर राख हो गया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने से आसपास के

नगला चंदन में शॉर्ट सर्किट से हादसा, दमकल की कई गाड़ियां मौके पर

लोग दहशत में आ गए। गनीमत रही कि हादसे के समय फैक्ट्री के अंदर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, जबकि पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

स्कूल वैन में लगी भीषण आग

चालक समेत पांच बच्चे झुलसे

यूनिक समय, मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब स्कूल जा रही वैन में अचानक भीषण आग लग गई। यह घटना पुरकाजी क्षेत्र के समसो गांव की है, जहां इस हादसे से पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई। वैन में सवार पांच बच्चे और चालक इस आग की चपेट में आकर झुलस गए।

जानकारी के अनुसार, वैन गांव समसो से बच्चों को लेकर आशीष इंग्लिश एकेडमी जा रही थी। रास्ते में अचानक वैन से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। वैन में बैठे बच्चों में चीख–पुकार मच गई, जिससे आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। स्थानीय ग्रामीणों ने बहादुरी दिखाते हुए तुरंत वैन का दरवाजा खोलकर बच्चों और चालक को बाहर निकाला। इसके बाद आग बुझाने का प्रयास किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित

समसो गांव में मचा हड़कंप,

ग्रामीणों की मदद से बच्चों को सुरक्षित निकाला गया

किया गया। हादसे में घायल सभी बच्चों और चालक को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण तकनीकी खराबी माना जा रहा है, हालांकि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र में स्कूल वाहनों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से स्कूल वैन की नियमित जांच और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने की मांग की

एएमयू में हथियार–नकली नोट कनेक्शन उजागर, फर्जी दस्तावेजों से दाखिले की पुष्टि

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के सर जियाउद्दीन हॉल में हथियार, कारतूस और नकली नोट मिलने के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि एक आरोपी छात्र ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एएमयू में दाखिला लिया था।

पुलिस के अनुसार, कमरे से कई मोबाइल, कारतूस और संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। मामले में तीन छात्र फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। शुरु आती जांच में पता चला कि आरोपी अवैध रूप से कमरे में रह रहे थे।खुफिया एजेंसियां और पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही हैं कि छात्रों तक हथियार और नकली नोट कहां से पहुंच रहे थे। मोबाइल डेटा और दस्तावेजों की जांच से कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

किनारी बाजार में टला बड़ा हादसा

आगरा में चार मंजिला ज्वैलरी शोरूम ढहा

यूनिक समय, आगरा। कोतवाली क्षेत्र स्थित किनारी बाजार में गुरुवार देर रात एक चार मंजिला ज्वैलरी शोरूम अचानक भरभराकर गिर गया। हादसा रात करीब 12 बजे हुआ, जब बाजार की अधिकांश दुकानें बंद थीं। इस कारण एक बड़ा हादसा टल गया, वरना दिन में भारी जनहानि हो सकती थी।

जानकारी के अनुसार, बल्केश्वर निवासी रिंकू बंसल का यह शोरूम था, जहां चांदी के जेवरात और बर्तन की बिक्री की जाती थी। वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे, तभी देर रात उन्हें शोरूम गिरने की सूचना मिली। शोरूम के गिरते ही तेज आवाज

लाखों के नुकसान का अनुमान

हुई, जिसे सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। हादसे में पास की एक अन्य दुकान भी चपेट में आ गई, जिससे उसे भी नुकसान हुआ।

मलबा सड़क पर फैलने से रास्ता बाधित हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात संभाले और जांच शुरू की। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण स्पष्ट नहीं है, हालांकि आसपास निर्माण कार्य को एक वजह माना जा रहा है।

सेंट्रल मार्केट विवाद : सेक्टर–2 में लगे पलायन के पोस्टर

यूनिक समय, मेरठ । सेंट्रल मार्केट को लेकर चल रहा विवाद अब और गरमा गया है। सेक्टर–2 के निवासियों ने विरोध जताते हुए अपने घरों और दीवारों पर 'पलायन' के पोस्टर लगा दिए हैं, जिससे पूरे इलाके में हलचल मच गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा प्रस्तावित सेटबैक नियम उनके लिए गंभीर संकट खड़ा कर सकते हैं। निवासियों के अनुसार, सेक्टर–2 में ज्यादातर मकान छोटे आकार के हैं। ऐसे में यदि सेटबैक की शर्त लागू की जाती है तो कई घरों का जरूरी हिस्सा टूट सकता है। लोगों का कहना है कि किसी का बाथरूम तो किसी का ड्राइंग रूम खत्म हो जाएगा, जिससे घर रहने योग्य नहीं रहेंगे। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया कि वर्षों की मेहनत से बनाए गए इन छोटे–छोटे घरों को अगर तोड़ा गया, तो वे आखिर कहां जाएंगे। उनका मानना है कि यह कार्रवाई आम लोगों को बेघर करने जैसी स्थिति पैदा कर सकती है।

इस मुद्दे को लेकर क्षेत्र में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और लोग खुलकर विरोध दर्ज करा रहे हैं। पलायन के पोस्टर इस नाराजगी का प्रतीक बनकर सामने आए हैं। निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए और ऐसा समाधान निकाला जाए, जिससे लोगों के आशियाने सुरक्षित रह सकें। फिलहाल यह मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है और सभी की नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी है।

मोनालिसा नाबालिग, पति फरमान पर पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

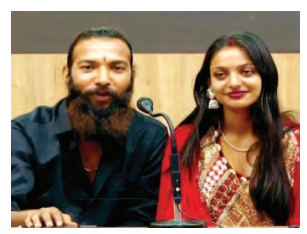

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की चर्चित 'वायरल गर्ल' मोनालिसा से जुड़ा मामला अब कानूनी विवाद में बदल गया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की जांच में खुलासा हुआ है कि शादी के समय मोनालिसा नाबालिग थी। इसके बाद उसके पति फरमान खान के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

बताया जा रहा है कि यह विवाह 11 मार्च को केरल में हुआ था। जांच के दौरान महेश्वर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रिकॉर्ड में मोनालिसा की जन्मतिथि 30 दिसंबर 2009 पाई गई, जिससे उसकी उम्र शादी के समय करीब 16 वर्ष साबित होती है। आयोग की सिफारिश पर महेश्वर थाने में एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच

आयोग की जांच के बाद एफआईआर, गिरफ्तारी की आशंका बढ़ी

शुरू कर दी है। मामले में अपहरण सहित अन्य धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इस खुलासे के बाद मामला सामाजिक और राजनीतिक बहस का विषय बन गया है, जबकि पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

लखनऊ में नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का शुभारंभ

सीएम योगी ने बदली जीवनशैली पर जताई चिंता

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। यह आयोजन कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया की ओर से किया गया, जिसमें देशभर के चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बदलती जीवनशैली और उसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में समय पर उठना, सोना और संतुलित आहार लेना जीवन का अहम हिस्सा रहा है, लेकिन आधुनिक जीवनशैली में आए बदलावों के कारण कई नई स्वास्थ्य चुनौतियां सामने आई हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज के समय में हृदय रोग और अन्य लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जिसके लिए जागरूकता और समय पर उपचार बेहद जरूरी है। उन्होंने डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों से अपील की कि वे नई तकनीकों और अनुसंधान के माध्यम से बेहतर उपचार प्रणाली विकसित करें।

इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञों ने इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे नए शोध और तकनीकों पर चर्चा की। साथ ही, मरीजों को बेहतर और त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के उपायों पर भी विचार–विमर्श किया गया। यह आयोजन न केवल चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि आम लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने वाला भी साबित हो सकता है।

बंगाल चुनाव में बीजेपी का बड़ा दांव

महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 3000 रुपये

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'भरोसा पत्र' नाम से इस मेनिफेस्टो को लॉन्च किया। पार्टी ने इसमें महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता, कानून व्यवस्था और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों पर खास जोर दिया है। घोषणापत्र की सबसे बड़ी घोषणा महिलाओं को हर महीने 3000 की आर्थिक मदद देने की है। इसके साथ ही बीजेपी ने वादा किया है कि राज्य में सरकार बनने के छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। इसके अलावा 45 दिनों के

छह महीने में यूसीसी लागू करने का वादा

अमित शाह ने जारी किया 'भरोसा पत्र'

विकास और सुरक्षा पर फोकस

भीतर सातवां वेतन आयोग लागू करने का भी ऐलान किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छह गारंटियों को भी इस संकल्प पत्र में शामिल किया गया है। इनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई, सरकारी तंत्र को जनता के हित में काम करने योग्य बनाना और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रमुख हैं। पार्टी ने यह भी कहा कि घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। बीजेपी का दावा है कि यह घोषणापत्र 'विकसित बंगाल' का रोडमैप है और राज्य को मौजूदा समस्याओं से बाहर निकालने का माध्यम बनेगा। वहीं, शाह आज पश्चिमी मेदिनीपुर में रैलियों को संबोधित कर चुनावी माहौल को और गर्म करेंगे। कुल मिलाकर, पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने इस घोषणापत्र के जरिए महिलाओं, कर्मचारियों और आम जनता को साधने की रणनीति अपनाई है, जिससे चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो गया है।

जाति जनगणना पर रोक की याचिका खारिज, सीजेआई की सख्त टिप्पणी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जाति जनगणना पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा पर गंभीर आपत्ति जताई।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि याचिका में अभद्र और असम्मानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है, जो न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है। उन्होंने याचिकाकर्ता से पूछा कि इस तरह की भाषा कहां से सीखी जाती है और याचिका किसने तैयार की है।

यह याचिका केंद्र सरकार को जाति जनगणना रोकने, संसाधनों के पुनर्वितरण को जनसंख्या से जोड़ने और एक बच्चे वाले परिवारों को प्रोत्साहन देने जैसे निर्देश देने की मांग को लेकर दायर की गई थी। गौरतलब है कि इससे पहले भी अदालत जाति जनगणना से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर चुकी है। 2027 की प्रस्तावित जनगणना में जातिगत आंकड़ों को शामिल किए जाने की योजना है, जिस पर बहस जारी है।

कैश विवाद में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

यूनिक समय, नई दिल्ली। जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा राष्ट्रपति को सौंप दिया है। उनके घर से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में जले हुए नोट मिलने के बाद यह मामला सुर्खियों में आया था। इस विवाद के बाद उन्हें पहले दिल्ली हाई कोर्ट से वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया था और तभी से उनके खिलाफ इन-हाउस जांच चल रही है।

मामले को लेकर संसद में भी हलचल देखी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। उनके खिलाफ पार्लियामेंट्री रिमूवल प्रोसीडिंग्स की भी संभावना जताई जा रही है।

बताया जाता है कि मार्च 2025 में दिल्ली स्थित उनके आवास से जले हुए नोट मिलने का वीडियो सामने आया था, जिसके बाद विवाद और गहरा

घर से जले नोट मिलने के बाद बढ़ा विवाद, हटाने की प्रक्रिया भी तेज

गया। इसके बाद अगस्त में लोकसभा में उन्हें हटाने के लिए बहुदलीय नोटिस भी लाया गया था। वहीं, जस्टिस वर्मा ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में खारिज कर दिया। फिलहाल जांच जारी है और आगे की कार्रवाई समिति की रिपोर्ट पर निर्भर करेगी।

शांति वार्ता पर संशय जेडी वेंस पाकिस्तान रवाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए प्रस्तावित शांति वार्ता पर संशय के बादल छा गए हैं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस्लामाबाद के लिए रवाना हो चुके हैं, जहां यह अहम बैठक प्रस्तावित है। हालांकि, ईरान ने वार्ता में अपने प्रतिनिधियों की मौजूदगी से इनकार कर दिया है।

ईरान ने जताई अनिश्चितता

तेहरान की ओर से स्पष्ट किया गया है कि विदेश मंत्री और संसद अध्यक्ष दोनों ही देश में मौजूद हैं और पाकिस्तान नहीं गए हैं। ऐसे में इस वार्ता के सफल होने पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच घोषित अस्थायी युद्धविराम पहले से ही कमजोर स्थिति में है। सीजफायर की शर्तों को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वार्ता में स्पष्टता नहीं आई, तो क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है, जिससे वैश्विक हालात पर भी असर पड़ सकता है।

गगनयान मिशन में बड़ी सफलता

सुरक्षित लैंडिंग सिस्टम का सफल परीक्षण

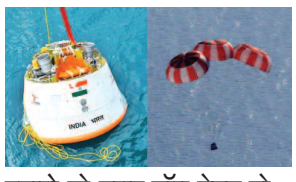

यूनिक समय, नई दिल्ली। तहत एक अहम उपलब्धि हासिल करते हुए सुरक्षित लैंडिंग सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। इसरो ने दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट पूरा किया, जो अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यह परीक्षण आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में किया गया, जहां एक डमी क्रू मॉड्यूल को उंचाई से गिराकर उसके पैराशूट सिस्टम की जांच की गई। मॉड्यूल ने तय समय पर पैराशूट खोलते हुए सुरक्षित लैंडिंग की, जिससे तकनीक की विश्वसनीयता साबित हुई।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर इसरो की टीम को बधाई

इसरो के एयर ड्रॉप टेस्ट से अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी की उम्मीद मजबूत

देते हुए इसे भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन की दिशा में बड़ा कदम बताया। इसरो के अनुसार, गगनयान मिशन से पहले तीन मानवरहित उड़ानें भेजी जाएंगी, ताकि सभी प्रणालियों की पूरी तरह जांच की जा सके और भविष्य में मानव मिशन को सुरक्षित बनाया जा सके।

होर्मुज के ऊपर अमेरिकी ड्रोन लापता इमरजेंसी सिग्नल के बाद टूटा संपर्क

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी नौसेना का अत्याधुनिक एमक्यू-4सी ट्राइटन ड्रोन रहस्यमयी तरीके से लापता हो गया है। यह ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर निगरानी मिशन पर था, तभी अचानक उसका संपर्क टूट गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, करीब तीन घंटे तक उड़ान भरने के बाद ड्रोन इटली के बेस की ओर लौट रहा था। इसी दौरान उसने 7700 इमरजेंसी सिग्नल भेजा और फिर तेजी से नीचे उतरते हुए रडार से गायब हो गया। यह कोड आमतौर पर गंभीर आपात स्थिति का संकेत होता है।

घटना के बाद यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ड्रोन तकनीकी खराबी के कारण गिरा या फिर उसे मार गिराया गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही

1600 करोड़ का एमक्यू-4सी ट्राइटन गायब,

हादसा या हमले पर उठे सवाल

में युद्धविराम हुआ था, लेकिन क्षेत्र में तनाव अभी भी बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटना से क्षेत्रीय अस्थिरता और बढ़ सकती है।

हरिवंश नारायण सिंह फिर बने राज्यसभा सदस्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह को एक बार फिर उच्च सदन का सदस्य नामित किया है। उनका पिछला कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ था, जिसके बाद उनके दोबारा नामांकन का फैसला लिया गया।

हरिवंश नारायण सिंह को उनके लंबे संसदीय अनुभव, शांत स्वभाव

राष्ट्रपति ने किया नामांकन

और संतुलित कार्यशैली के लिए जाना जाता है। उन्होंने कई बार सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में अहम भूमिका निभाई है। उपसभापति के रूप में उन्होंने पक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश की, जिसकी व्यापक सराहना हुई। उनका राजनीतिक सफर पत्रकारिता से शुरू हुआ था और बाद में वे सक्रिय राजनीति में आए। 2018 में पहली बार उपसभापति बने और 2020 में दोबारा इस पद पर चुने गए। इस नामांकन को संसदीय परंपराओं और अनुभव को महत्व देने के रूप में देखा जा रहा है।

एक तस्वीर की चाह ने छीनी जिंदगी

आंध्र प्रदेश में तीन किशोरियों की डूबकर मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में एक दर्दनाक हादसे ने तीन किशोरियों की जान ले ली। पांच सहेलियां घूमने के लिए मुल्लुंगुम्मी जलप्रपात पहुंची थीं, जहां फोटो खींचते समय यह हादसा हुआ।

बताया जा रहा है कि तीन लड़कियां बेहतर तस्वीर लेने के लिए पानी के बीच स्थित एक चट्टान पर चढ़ गईं। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे तेज बहाव में गिरकर बह गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की,

लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि उन्हें बचाया नहीं जा सका। बाद में खोजबीन के दौरान तीनों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान तृषा (17), रत्ना कुमारी (16) और पवित्रा (16) के रूप में हुई है,

वॉटरफॉल पर सेल्फी लेते समय हादसा,

दो सहेलियां बचीं सुरक्षित

जबकि दो अन्य लड़कियां सुरक्षित बच गईं। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

सस्ता हुआ 24 कैरेट सोना, चांदी भी लुढ़की

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना करीब 1,51,620 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट 1,38,990 पर पहुंच गया है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,470 प्रति 10 ग्राम के आसपास बिक रहा है। चांदी का भाव भी घटकर लगभग 2,42,900 प्रति किलोग्राम हो गया है। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव और मिडिल ईस्ट के हालात का असर कीमतों पर दिख रहा है। विशेषज्ञों ने निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने की सलाह दी है।

किशोरी से छेड़छाड़ के दोषी छह अभियुक्तों को दो-दो वर्ष की सजा

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे अतिरिक्त न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट द्वितीय ब्रिजेश कुमार की अदालत ने किशोरी के साथ छेड़खानी करने वाले छह अभियुक्तों को दो-दो वर्ष के कारावास और 18-18 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। सजा पाने वालों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता भगत सिंह आर्य और विशेष लोक अभियोजक रामपाल सिंह ने बताया कि हाईवे थाना क्षेत्र की एक कालोनी में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी 6 सितंबर 2022 की शाम को

अभियुक्तों में तीन महिलाएं भी हैं शामिल

अभियुक्तों पर 18-18 हजार का जुर्माना भी लगाया

अपने घर के दरवाजे पर खड़ी थी। इसी बीच पड़ोस में रहने वाले विपिन गौतम ने उसके साथ अश्लील हरकत कर दी। किशोरी के परिजनों ने इसका विरोध किया तो विपिन गौतम, विष्णु गौतम, लवली और उनके परिवार की तीन महिलाएं घर में घुस आईं और किशोरी के साथ मारपीट कर दी। किशोरी की चाची ने विष्णु गौतम, विपिन गौतम, लवली व तीन महिलाओं के खिलाफ छेड़खानी की रिपोर्ट हाईवे थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे अतिरिक्त न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट द्वितीय ब्रिजेश कुमार की अदालत में हुई। अदालत न सभी अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

भाजपा संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने राधारानी के किए दर्शन

यूनिक समय, कोसीकलां। भारतीय जनता पार्टी के संगठन महामंत्री, कर्मवीर सिंह बरसाना पहुंचे। राधारानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ओबीसी मोर्चा ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व महामंत्री प्रेम श्रोत्रय, दिनेश कुमार, कुंज बिहारी पाण्डेय आदि उपस्थित थे। श्री सिंह ने कहा कि ब्रजभूमि आस्था और संस्कृति का केंद्र है। यहां आकर उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

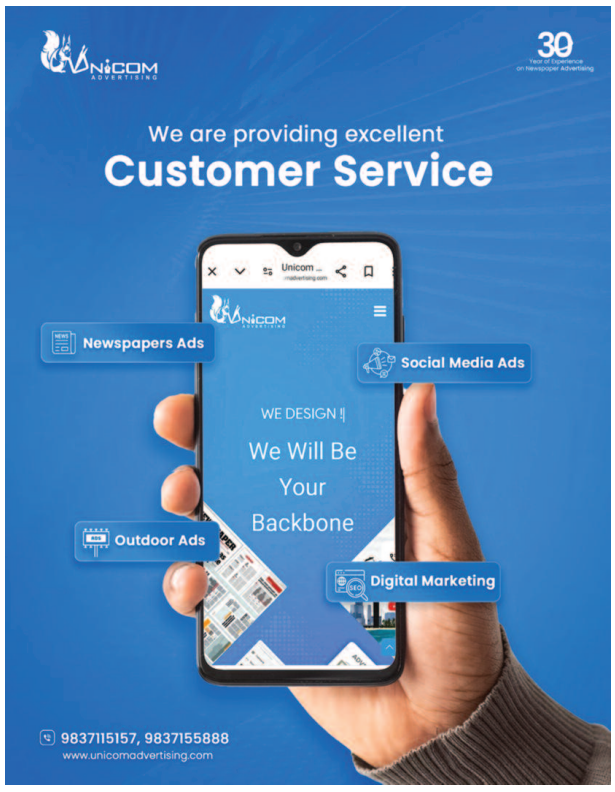

भव्यता के साथ निकलेगी भगवान परशुराम की शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति (रजि.) मथुरा की बैठक शुक्रवार को श्रीजी बाबा आश्रम, भूतेश्वर पर आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत में समिति के पदाधिकारियों द्वारा भगवान परशुराम शोभायात्रा के निमंत्रण पत्र (कार्ड) का विधिवत विमोचन किया गया। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष राम गोपाल शर्मा ने दी है। उन्होंने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम की भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा तीन मई को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ निकाली जाएगी। शोभायात्रा माहेश्वरी

धर्मशाला, लाल दरवाजा से शाम 4 बजे प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में काफी विप्रजन एवं परशुराम महिला शक्ति की ओर से करीब सैकड़ों महिलाएं सहभागिता करेंगी। महामंत्री बंसीलाल शर्मा ने बताया कि शहर को विशेष लाइटिंग एवं तोरण द्वारों से सजाकर शोभायात्रा को भव्य स्वरूप दिया जाएगा। इससे पूर्व 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव चौक बाजार स्थित गांधी पार्क में सुबह 10 बजे धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष रूप से फूल बंगला सजाकर भगवान परशुराम को विराजमान किया जाएगा। इस मौके पर ओपी उपाध्याय, अखिलेश गौड़, मनोज, गौरव कांति शर्मा, मोनू पंडित, लंबू पंडित, केके शर्मा, सुनील शर्मा, अजय लाल, ज्ञानेंद्र दीक्षित, ललित स्वामी, कुंजी पंडित, संजय हरियाणा, श्याम, अर्जुन, महिला सभा की जिला अध्यक्ष भावना शर्मा, गुंजन शर्मा, संगीता शर्मा, प्रीति शर्मा, सीमा शर्मा, प्रियंका शर्मा, पिंकी शर्मा, ममता शर्मा एवं दीप्ति शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

ओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसल को लेकर सपा का प्रदर्शन

फसल के मुआवजे की मांग को लेकर डीएम सीपी सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञान देते समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव व पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया कि हाल ही में हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि ने जनपद के किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। सरसों, आलू और गेहूं की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक केवल घोषणाएं की जा रही हैं, जमीनी स्तर पर किसानों को कोई ठोस राहत नहीं मिल रही है। समावादी पार्टी ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से

कहा, सरसों, आलू और गेहूं की फसल पूरी तरह हो चुकी बर्बाद

फसल का सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों को पूर्ण मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर वरिष्ठ नेता प्रदीप चौधरी, समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष सोनू ठाकुर, समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष संतोष यादव, समाजवादी अंबेडकर वाहिनी के जिला अध्यक्ष सचिन पहलवान, नजीम अब्बासी, महेंद्र सिंह सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरसीए गर्ल्स कॉलेज में अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला में छात्राओं को पर्यावरण के बारे में जानकारी देते वक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। आरसीए गर्ल्स (पीजी) कॉलेज में 'नेचर क्लब' एवं 'प्रोजेक्ट मथुरा एनजीओ' के संयुक्त तत्वावधान में 'अपशिष्ट प्रबंधन' विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण और कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यशाला के दौरान छात्राओं को एक पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे का पृथक्करण, प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। एनजीओ से आए विपुल अग्रवाल ने छात्राओं को एक रोचक बॉल एक्टिविटी कराई, जिसमें उन्होंने गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग वर्गीकृत करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इस मौके भानवी, शिव प्रताप, रचित अग्रवाल, कशिका पाराशर, डॉ. स्मृति शर्मा, प्राचार्या डॉ. अंजुबाला अग्रवाल, अर्चना, सोनिया, शताक्षी सिंह, राजेश वर्मा, योगेंद्री का विशेष सहयोग रहा।

किशोरी रमण महाविद्यालय में एआई के दौर में शिक्षा पर मंथन

मंच पर उपस्थित महापौर विनोद अग्रवाल एवं प्राचार्या पल्लवी सिंह, प्रोफेसर अनुपम मिश्रा और स्टाफ।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण महिला महाविद्यालय में प्राचार्या प्रो. पल्लवी सिंह के निर्देशन में समाजशास्त्र विभाग द्वारा यूजेस एंड चैलेंजेस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन द फील्ड ऑफ इनोवेटिव टीचिंग एंड लर्निंग विषय पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर विनोद अग्रवाल व प्राचार्या प्रो. पल्लवी सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कॉन्फ्रेंस के मुख्य वक्ता डॉ. अरविंद गुप्ता ने छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन ला रही है, लेकिन इसके उपयोग के साथ यह भी आवश्यक है कि हम अपने संज्ञानात्मक विकास को कमजोर न होने दें। मुख्य अतिथि महापौर ने एआई के दूरगामी प्रभावों के बारे में बताते हुए छात्राओं को इसके प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुपम मिश्रा ने छात्राओं को एआई के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. कविता कन्नौजिया, आकांक्षा कुमारी, वंदना सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

स्काउट एंड गाइड ने अनुशासन नेतृत्व व टीमवर्क का दिया संदेश

स्काउट एंड गाइड शिविर में बीएसए का स्वागत करते हुए कमल कौशिक एवं अन्य लोग।

यूनिक समय, बल्देव (मथुरा)। श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज में चल रहे स्काउट एंड गाइड प्रशिक्षण शिविर के तृतीय दिवस का शुभारंभ प्रार्थना सत्र के साथ मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने किया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि स्काउट हमें अनुशासन, नियमों का पालन, नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क की भावना के साथ कार्य करना सिखाता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विद्यालयों में जाकर सीखी गई गतिविधियों को छात्र-छात्राओं को अवश्य सिखाएं। डॉ. कमल कौशिक ने कहा कि प्रशिक्षण कक्ष का निरीक्षण कर स्काउट

बीएसए ने प्रशिक्षुओं को विद्यालयों में गतिविधियां लागू करने के दिए निर्देश

एंड गाइड की गतिविधियों के बारे में सभी को जानकारी होनी चाहिए। प्रीति ने भी प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर नीता मुद्गल, अंजना शर्मा, बुलबुल, हरिओम गुप्ता, गोवर्धन दास गुप्ता, अशोक सोलंकी, मनोज रावत, सुनीता गुप्ता, कमलेश चौहान, संजीव यादव, पुष्पेंद्र सिंह चौधरी, जगदीश पाठक, हेमंत शर्मा और संजय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खेल विकास को गति देने के लिए अधिकारियों ने लिए कई निर्णय

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश शासन एवं खेल निदेशालय लखनऊ के तत्वावधान में जिला प्रशासन और खेल विभाग मथुरा द्वारा गुरुवार कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने की। खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। तहसील स्तर पर खेल विकास प्रोत्साहन समितियों के खाते खुलवाने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिला युवा कल्याण अधिकारी को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। स्टेडियम मथुरा के बैडमिंटन और कुश्ती

खेल को बढ़ावा देने के लिए मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता अधीनिस्त अधिरियों के साथ बैठक करते हुए।

हॉल के जीर्णोद्धार के प्रस्ताव खेल निदेशालय को भेजने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा एकलव्य क्रीड़ा कोष के अंतर्गत खिलाड़ियों को खेल संघों के समन्वय से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के नियमित आयोजन और समिति की आय के स्रोत बढ़ाने के लिए जिला आबकारी अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला क्रीड़ा अधिकारी मथुरा को बैठक में लिए गए सभी बिंदुओं पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस

खिलाड़ियों को मिलेगी आर्थिक सहायता

तहसील स्तर पर खेल विकास प्रोत्साहन समितियों के खाते खुलेंगे

अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला दिव्यांगजन अधिकारी, जिला युवा अधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अपर आयुक्त नगर निगम, सचिव विकास प्राधिकरण सहित अन्य अधिकारी एवं विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।